सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 288, नई दिल्ली । शुक्रवार, 27 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 दिल्ली सरकार के विभागों ने AAP की योजनाओं को बताया 'गैर-मौजूद'

06 भारत में शिक्षा का एक नया पन्ना खुल रहा है

08 हमने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे

क्या किसी शाखा के उपायुक्त के सहयोग/ साझेदारी के बिना शाखा में कार्यरत कार्यरत इंस्पेक्टर बेख़ौफ़ रिश्वत ले सकते हैं? सोचे/ समझे

संजय बाटला

दिल्ली परिवहन विभाग के आटो टैक्सी शाखा में रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए पिछले हफ्ते इंस्पेक्टर पकड़ा गया। यह खबर आप सभी ने जरूर सुनी होगी।

पर पूरा सच क्या है, यह शायद किसी ने ना तो लिखा होगा और ना ही बताया होगा। आखिर क्यों ?

दिल्ली परिवहन विभाग की आटो टैक्सी शाखा के इंस्पेक्टरों के खिलाफ उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री परिवहन, आयुक्त परिवहन, विशेष आयुक्त परिवहन के साथ उपायुक्त आटो टैक्सी के पास हजारों शिकायतें पिछले 3 महीनों में दर्ज हुई होगी। पर किसी ने भी इस पर कोई कार्यवाही करना उचित नहीं समझा, आखिर क्यों ?

क्या आटो टैक्सी चालक झूठ बोल रहे थे ?

या फिर **उपायुक्त रामनाथन के सम्बन्ध सीधे आयुक्त परिवहन से होने के कारण सभी शिकायतों को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया जाता था ?**

इन दोनों इंस्पेक्टरों के द्वारा शाखा में कार्यरत शाखा प्रमुख डीटीओ के निर्देशों को हवा में उड़ाने की जानकारी भी सभी को है, उसके बावजूद ना तो कोई कार्यवाही की गई और ना ही तबादला किया ?

उपायुक्त आटो टैक्सी शाखा के खिलाफ अगर जांच की जाए तो 14 साल पहले जब वह एमएलओ आटो टैक्सी शाखा थे उस समय उनके द्वारा किए जाने वाले कामों की जांच की जाए तो उनकी कार्यशैली सबको दिख जाएगी।

इतना ही नहीं दिल्ली में नए वाहन को बिक्री के लिए वाहन निर्माता/ वाहन डीलर को परिवहन विभाग से जिस ट्रेड सर्टिफिकेट की आवश्यकता होती है और उसे जारी करने की अनुमती शाखा के उपायुक्त को प्राप्त है करने के लिए इन उपायुक्त रामनाथन को एक मोटी मुंह मांगी कीमत चाहिए

वर्ना घूमते रहो ? जिसके सबूत शाखा में कोई भी जांच कर पता कर सकता है।

इसके अलावा आटो टैक्सी के पद से हटने के बाद फिर से आयुक्त परिवहन से संबंधों का फायदा उठा कर वापिस आटो टैक्सी शाखा के उपायुक्त का कार्यभार प्राप्त कर लिया।

उसी दिन से जब उपायुक्त के पद को वापिस प्राप्त किया आटो टैक्सी शाखा में जनता की मुश्किलों फिर से बढ़ने लगी और तब जाकर उच्चाधिकारियों को सच दिखवाया गया की कैसे उनके द्वारा प्राप्त दयादृष्टि के कारण उपायुक्त रामनाथन शाखा के इंस्पेक्टरों से जनता को परेशान करवाकर खेल खेल रहा है।

लेकिन इतना सब कुछ हो जाने और सबूतों के साथ देखने के बाद भी **परिवहन आयुक्त द्वारा उपायुक्त आटो टैक्सी शाखा के खिलाफ कोई भी कार्यवाही नहीं करने का अर्थ क्या लगाए जनता ?**

1. कौन है रिश्वत खोरी करवाने का जिम्मेदार, बड़ा सवाल ?

2. कौन है आटो टैक्सी चालकों और मालिकों को परेशान करने का जिम्मेदार,

3. कौन है ऐसे इंस्पेक्टरों को इतनी शय देकर चालकों और मालिकों को परेशान करवाने का जिम्मेदार ?

सवाल तो बहुत है पर जवाब देने वाला दिल्ली में कोई नहीं,

ना तो परिवहन आयुक्त
ना ही मंत्री परिवहन
ना ही मुख्यमंत्री दिल्ली
ना ही मुख्य सचिव दिल्ली
ना ही उपराज्यपाल दिल्ली
ना आम आदमी पार्टी

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इंतजार खत्म: अब दिल्ली तक दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन, पीएम मोदी करेंगे आनंद विहार स्टेशन का उद्घाटन

परिवहन विशेष न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही दिल्ली-मेरठ सेमी हाईस्पीड ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। इस ट्रेन को नमो भारत ट्रेन के नाम से जाना जाता है। यह देश की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन है जो दिल्ली से मेरठ के बीच चलेगी। पहले चरण में यह साहिबाबाद से दुहाई के बीच चलेगी दूसरे चरण में मेरठ के साउथ तक और तीसरे चरण में इसे दिल्ली तक शुरू किया जाएगा।

साहिबाबाद (गाजियाबाद)। इस वर्ष नमो भारत ट्रेन से लोग मेरठ से दिल्ली तक का सफर कर सकेंगे। 28 या 29 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्घाटन कार्यक्रम होना प्रस्तावित है। इसको लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को गाजियाबाद पुलिस और एसपीजी ने साहिबाबाद नमो भारत ट्रेन स्टेशन को निरीक्षण किया। पुलिस के अधिकारी अभी कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

न्यू अशोक नगर तक स्टेशन का काम लगभग हो गया पूरा

उनका कहना है कि लिखित में कोई तारीख तय नहीं है। देश की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन दिल्ली से मेरठ के बीच चलनी है।पहले चरण में साहिबाबाद से दुहाई के बीच, दूसरे चरण में मेरठ के साउथ तक चल रही है। तीसरे चरण में इसे दिल्ली तक शुरू किया जाना है। न्यू अशोक नगर तक स्टेशन का काम लगभग पूरा हो गया है। सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 28 या 29 दिसंबर आनंद विहार स्टेशन का उद्घाटन का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

साहिबाबाद से आनंद विहार स्टेशन तक जाएंगे पीएम मोदी

सूत्रों का कहना है कि अभी कोई लिखित में कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। इसके अलावा अन्य प्रस्तावित रूटों पर अन्य विभागों ने साफ सफाई व अन्य तैयारी शुरू कर दी हैं।

इसको लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन से आनंद विहार तक जाएंगे। इसलिए प्रधानमंत्री के हेलीकाप्टर उतारने को लेकर जगह की तलाश की जा रही है। बुधवार को कमिश्नरेट पुलिस गाजियाबाद के अधिकारी और एसपीजी (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) के अधिकारियों ने साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन, सौर ऊर्जा मार्ग स्थित सीईएल कंपनी और पीएसी 41 वीं वाहिनी को देखा।

साफ सफाई व अन्य तैयारी शुरू

यातायात और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस के अधिकारी खाका तैयार कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियां भी तैयारी में लगी हैं। हालांकि, अभी इस पर मुहर नहीं लगी है। सूत्रों का कहना है कि अभी कोई लिखित में कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। इसके अलावा अन्य प्रस्तावित रूटों पर अन्य विभागों ने साफ सफाई व अन्य तैयारी शुरू कर दी हैं।

एक वर्ष में इस तरह तय हुआ 42 किलोमीटर का सफर

20 अक्टूबर 2023 को नमो भारत ट्रेन का पहले चरण में हुआ था उद्घाटन

पहले चरण साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर ट्रेन चली।

छह मार्च 2024 को दुहाई से मोदीनगर नार्थ के बीच दूसरा चरण शुरू हुआ।

दूसरे चरण में दुहाई से मोदीनगर नार्थ तक 17 किलोमीटर का दायरा था।

18 अगस्त 2024 को मेरठ साउथ नमो भारत स्टेशन संचालित किया गया।

वर्तमान में नमो भारत ट्रेन 42 किलोमीटर की यात्रा तय कर रही है।

साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक नौ स्टेशनों के बीच ट्रेन चल रही है।

साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर खंड को जोड़ने के लिए ट्रायल चल रहा है।

इसके बाद कुल 55 किलोमीटर के दायरे में यह ट्रेन चलेगी।

जून 2025 तक 82 किलोमीटर के इस कारीडोर काम पूरा हो जाएगा।

यात्री एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली से मेरठ की यात्रा कर सकेंगे।

आगरा नहर फोरलेन प्रोजेक्ट: 50,000 यात्रियों को मिलेगी राहत, यूपी सरकार ने दी मंजूरी

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा और फरीदाबाद को जोड़ने वाले आगरा नहर मार्ग को फोरलेन बनाने की परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट को फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) द्वारा प्रस्तावित किया गया था। करीब 278 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्रोजेक्ट से रोज़ाना लगभग 50,000 यात्रियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी।

प्रोजेक्ट की प्रमुख बातें

- फोरलेन प्रोजेक्टः आगरा नहर से नोएडा तक सड़क को चौड़ा किया जाएगा।

- लागतः परियोजना पर 278 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

- यात्रियों को लाभः रोज़ाना 50,000 लोगों को तेज़ और सुरक्षित सफर मिलेगा।

- डीपीआर लगभग तैयारः परियोजना की डीपीआर बन चुकी है, अब दोनों विभागों को एमओयू साइन करना बाकी है।

जमीन बिना लागत के उपलब्ध

यूपी सरकार ने जमीन मुफ्त में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग परियोजना के लिए अपनी भूमि दे रहा है।

यातायात और जाम से राहत

आगरा नहर रोड वर्तमान में दो लेन की है, जिससे सुबह और शाम के समय जाम लगता है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद फोरलेन सड़क यातायात को सुचारु बनाएगी।

वर्तमान निर्माण कार्य

डीएनडी-केएमपी लिंक रोड पर निर्माण कार्य चल रहा है। फरीदाबाद के यातायात को डायवर्ट किया गया है, जिससे लोग दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं।

यह परियोजना न केवल यातायात समस्याओं को हल करेगी, बल्कि औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी।

"दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनेगा भारत का पहला इलेक्ट्रिक हाईवे, स्वीडन से प्रेरित योजना"

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत में सड़कों पर ई-वाहन (इलेक्ट्रिक वाहन) की बढ़ती मांग को देखते हुए, अब देश में एक नया और पर्यावरण- friendly प्रोजेक्ट शुरू होने जा रहा है। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारत का पहला इलेक्ट्रिक हाईवे विकसित किया जाएगा, जो स्वीडन के इलेक्ट्रिक हाईवे मॉडल से प्रेरित है। इस योजना के तहत, राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ऐसा सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को बिना किसी रुकावट के चार्ज करने की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे सफर और भी सुविधाजनक और पर्यावरण के लिए सुरक्षित होगा।

स्वीडन से प्रेरणा लेकर भारत में कदम

स्वीडन में इलेक्ट्रिक हाईवे का सफलतापूर्वक संचालन हो चुका है, जहां वाहनों को सड़क पर दौड़ते वक्त चार्ज किया जाता है। भारत में यह योजना स्वीडन के इस सफल मॉडल को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर इस परियोजना की शुरुआत होगी, जिसे पूरी तरह से पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल और तकनीकी दृष्टि से प्रभावी बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

कैसे काम करेगा इलेक्ट्रिक हाईवे ?

इस इलेक्ट्रिक हाईवे में, वाहनों को सड़क के ऊपर बनी वायरलेस चार्जिंग प्रणाली के माध्यम से चार्ज किया जाएगा। हाईवे पर विशेष पावर ट्रैक स्थापित किए जाएंगे, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को यात्रा के दौरान बिना रुके चार्ज करने की सुविधा प्रदान करेंगे। इससे लंबी यात्रा के दौरान वाहन चालकों को चार्जिंग स्टेशन पर रुकने की जरूरत नहीं होगी, और उनका सफर लगातार चलता रहेगा। यह खासतौर पर इलेक्ट्रिक ट्रकों और भारी वाहनों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

परियोजना का महत्व और लाभ

यह योजना न केवल ईंधन की खपत को कम करेगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी घटाएगी, जिससे पर्यावरण पर होने वाले नकरात्मक प्रभावों में कमी आएगी। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक हाईवे से जुड़े भारी वाहनों की अधिकतम दक्षता को ध्यान में रखते हुए ट्रांसपोर्ट सेक्टर में भी बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। यह कदम सरकार के स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृढ़ संकल्प को भी उजागर करता है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, और इस प्रोजेक्ट से वाहन चालकों को और भी अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। राष्ट्रीय परिवहन नेटवर्क में इस तरह की सुविधा का जुड़ना, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की दीर्घकालिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस योजना के बाद, भारतीय सड़कों पर ई-वाहनों का प्रचलन और भी बढ़ सकता है, जिससे देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

इस प्रोजेक्ट को लेकर भारतीय सड़क परिवहन मंत्रालय और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के बीच सक्रिय चर्चा चल रही है, और उम्मीद की जा रही है कि इस परियोजना की शुरुआत जल्द ही की जाएगी।

दिल्ली-आगरा हाईवे पर इलेक्ट्रिक हाईवे के निर्माण से न केवल भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह एक स्थायी और स्वच्छ परिवहन प्रणाली के निर्माण में भी महत्वपूर्ण कदम होगा। यह परियोजना न सिर्फ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अहम है, बल्कि आने वाले समय में भारतीय परिवहन क्षेत्र को भी एक नई दिशा देने का काम करेगी।

महिलाओं में विटामिन-डी की कमी होने पर नजर आते हैं ये लक्षण...

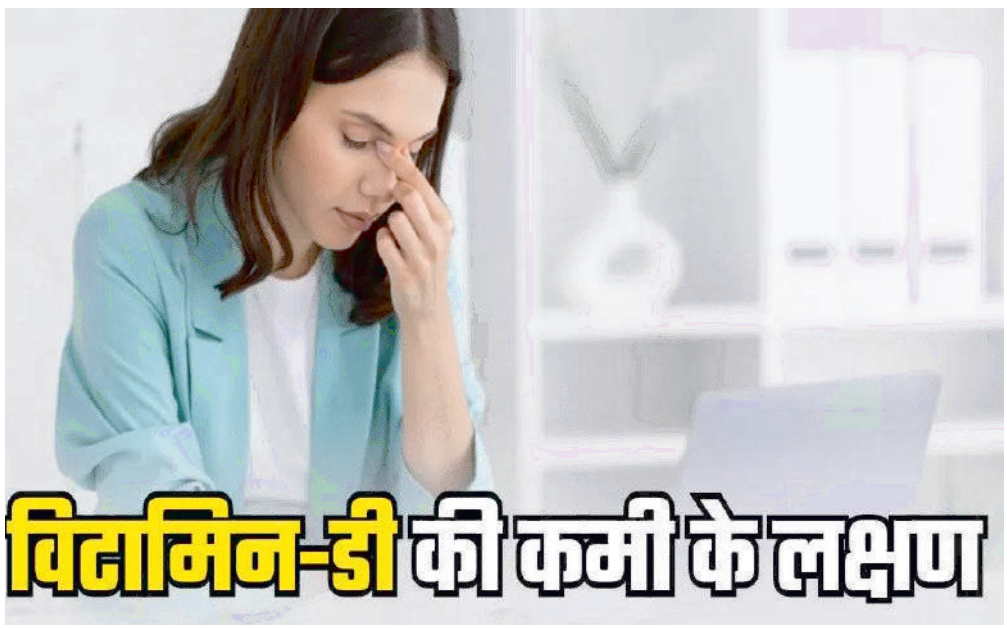

विटामिन-डी हमारे शरीर को हेल्दी बनाने में मदद करता है। इसे सनशाइन विटामिन के नाम से भी जाना जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ ही शरीर में अन्य कई जरूरी भूमिका निभाता है। हालांकि महिलाओं के शरीर में अक्सर इसकी कमी रहती है जिसके कुछ लक्षण शरीर में साफ नजर आते हैं।

नई दिल्ली। हमारे शरीर को हेल्दी बनाने में कई सारे विटामिन्स और मिनरल्स अहम भूमिका निभाते हैं। विटामिन-डी इन्हीं में से एक है, जिसे आमतौर पर ₹सनशाइन विटामिन₹ के नाम से भी जाना जाता है। यह विटामिन हमारी पूरी हेल्थ के लिए बेहद जरूरी होता है। हालांकि, बावजूद इसके भारतीयों में खासकर महिलाओं में इसकी काफी कमी देखने को मिलती है। शरीर में इसकी कमी होने पर कई तरह के लक्षण नजर आते हैं, लेकिन महिलाएं अक्सर कामकाज और अन्य जिम्मेदारियों के चलते इन्हें अनदेखा कर देती हैं।

शरीर में विटामिन-डी की कमी होने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं, जिसे पूरा न करने पर गंभीर परिणाम भी भुगतने पड़ सकते हैं। ऐसे में आज इस स्टोरी में हम आपको महिलाओं में विटामिन-डी की कमी के ऐसे ही कुछ लक्षणों के बारे में बताने वाले हैं, जिसे आपको भूलकर भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

हेयर फॉल

विटामिन डी की कमी से बाल झड़ने लगते हैं। बालों का अचानक झड़ना या पतला होना विटामिन डी की कमी का एक प्रमुख लक्षण हो सकता है। हालांकि, लोग हार्मोनल बदलाव या स्ट्रेस इसके लिए दोषी ठहराते हैं, लेकिन विटामिन डी की कमी बालों के पोर्स कमजोर हो सकते हैं, जिससे यह झड़ने लगते हैं।

हड्डियां कमजोर होना

विटामिन डी कैल्शियम के अब्जॉर्प्शन में मदद करता है, जिससे हड्डियों की डेंसिटी और इसकी मजबूती प्रभावित होती है। ऐसे में शरीर में इस विटामिन की कमी होने पर ऑस्टियोपोरोसिस भी हो सकता है। यूं तो इसके लक्षण मुश्किल से भी नजर आते हैं, लेकिन मामूली फ्रैक्चर, हड्डियों में हल्का दर्द या अकड़न खासकर सुबह के समय इस विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है।

बिना वजह थकान

अगर आपको लगातार बिना वजह थकान बनी रहती है, तो यह बिल्कुल भी आम नहीं है। यह संकेत है कि आपके शरीर में विटामिन-डी की कमी हो रही है। आमतौर पर लोग इसे ज्यादा काम या नींद की कमी से जोड़कर देखते हैं, लेकिन असल में यह शरीर में कम होते विटामिन-डी की कमी का लक्षण होता है।

स्ट्रेस, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स

डिप्रेशन, स्ट्रेस या मूड स्विंग्स भी महिलाओं के शरीर में विटामिन-डी की कमी को दर्शाता है। दरअसल, विटामिन डी रिसेप्टर्स ब्रेन में पाए जाते हैं और यह सेरोटोनिन जैसे केमिकल को प्रभावित करता है, जिसे मूड से जुड़े होते हैं। इतना ही नहीं विटामिन डी की कमी से कॉग्नेटिव फंक्शन खराब हो सकता है और मेमोरी लॉस हो सकती है।

हार्मोनल डिस्बैलेंस

विटामिन डी शरीर में हार्मोनल संतुलन बनाए रखता है। ऐसे में इसकी कमी होने पर मेंस्ट्रुअल साइकिल प्रभावित हो सकता है और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) जैसी कंडीशन्स हो सकती है, जो अप्रत्यक्ष रूप से इनफर्टिलिटी का कारण बनती है। इसके अलावा, विटामिन डी एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे सेक्स हार्मोन के प्रोडक्शन में मदद करता है।

कंबल में भी आपके पैर रहते हैं बर्फ जैसे ठंडे, बस एक एल्यूमिनियम फॉयल का टुकड़ा- फिर देखें कमाल

ठंड में पैरों का ठंडा रहना काफी सताता है। कई लोग बिस्तर में रहने के बावजूद भी पैरों से बिल्कुल ठंडे रहते हैं। ऐसे लोगों को ठंड भी काफी लगती है। ऐसे में एल्यूमिनियम फॉयल के इस्तेमाल से आपके पैर गर्म रह सकते हैं। इसलिए पैरों को गर्म रखने के लिए फॉयल का यूज कैसे हो यह आपको पता होना चाहिए।

नई दिल्ली। सर्दियों में कई लोगों के पैर बर्फ की तरह ठंडे रहते हैं। इतना ही नहीं कंबल में भी पैरों को बिल्कुल गर्माहट नहीं मिलती। पैरों को गर्म करने के लिए लोग क्या क्या जतन करते हैं। लेकिन पैर ठंडे के ठंडे ही रहते हैं। ऐसे में हम आज आपको एक ऐसा आसान टिप्स बताने जा रहे हैं जिससे आपके पैर बर्फ जैसे ठंडे होंगे तो इस नुस्खे को अपनाकर आप अपने पैरों को गर्माहट दे सकते हैं।

कंबल में पैरों को गर्म रखने के लिए एल्यूमिनियम फॉयल का उपयोग करना एक अच्छा विचार हो सकता है। यहां कुछ तरीके हैं जिनसे आप एल्यूमिनियम फॉयल का उपयोग करके अपने पैरों को गर्म रख सकते हैं।

एल्यूमिनियम फॉयल को पैरों के नीचे रखें

एल्यूमिनियम फॉयल को पैरों के नीचे रखें और फिर कंबल को ऊपर से ढक दें। इससे आपके पैरों को गर्मी मिलेगी। कोशिश करें कि आप रात को सोते हुए अपने पैरों पर सरसों के तेल से अच्छे से मालिश कर लें। मालिश करने के बाद आप अपने पैरों पर एल्मूनियिम फॉयल लपेट लें। इससे आपके पैरों को काफी राहत मिलेगी।

एल्यूमिनियम फॉयल को पैरों के चारों ओर लपेटें

अगर आप एल्यूमिनियम फॉयल को पैरों के चारों ओर लपेटते हैं तो इससे भी आपको काफी राहत मिल सकती है। अगर रात को सोते समय आप अपने पैरों के नीचे एल्यूमिनियम फॉयल नहीं रख पा रहे हैं तो आप इसे पैरों तलें भी रख सकते हैं। ऐसा करने से आपको काफी राहत मिलेगी और पैरों में गर्माहट महसूस होगी। एल्यूमिनियम फॉयल को पैरों के चारों ओर लपेटें और फिर कंबल को ऊपर से ढक दें। इससे आपके पैरों को गर्मी मिलेगी।

गर्म पानी में भिगो दें

एल्यूमिनियम फॉयल को गर्म पानी में भिगो दें और फिर पैरों के नीचे रखें। इससे आपके पैरों को गर्मी मिलेगी। आपके पैरों में खून का संचार अच्छे से होगा। इतना ही नहीं आपके ब्लड का सर्कुलेशन भी तेजी से होगा। ध्यान रहे फॉयल को बहुत देर तक पानी में नहीं भिगोना है।

करता है गर्मी का संचार

एल्यूमिनियम फॉयल गर्मी को संचारित करने में मदद करता है, जिससे पैरों को गर्मी मिलती है। इसके साथ ही एल्यूमिनियम फॉयल पैरों को सूखा रखने में मदद करता है, जिससे पैरों में नमी नहीं रहती है। वहीं एल्यूमिनियम फॉयल पैरों को आराम देने में मदद करता है,

सर्दियां शुरू होते ही आपको भी होती हैं ये दिक्कतें, बिल्कुल न करें इग्नोर- तुरंत डॉक्टर के पास जाएं

ठंड बढ़ते ही कई लोगों की परेशानियां और बढ़ जाती हैं। जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है उनके लिए सर्दियों में खुद को सेहतमंद रखना काफी बड़ी चुनौती होती है। क्योंकि सर्दियों के सीजन में बुखार से निपटना तो आसान है लेकिन बाकी समस्याओं से पार पाना कई बार बड़ा मुश्किल हो जाता है।

नई दिल्ली। सर्दियों का मौसम किसी के लिए राहत है तो कई लोगों के लिए यह मौसम आफत बन जाता है। दरअसल उन्हें इस कद्र परेशानियां होने लगती हैं कि ठंड का पूरा सीजन उनका बैचेनी में ही गुजर जाता है। ऐसे में कई लोग सर्दियों में होने वाली दिक्कतों को इग्नोर कर देते हैं जबकि ऐसा करना बहुत खतरनाक हो सकता है। ऐसे में यह जानना अहम है कि सर्दियों में होने वाली बीमारियां आपको कुछ बड़ा इशारा तो नहीं कर रही हैं।

सर्दियों के मौसम में कई लोगों को विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। यहां कुछ आम समस्याएं हैं जो सर्दियों में हो सकती हैं और जिनका अनदेखा नहीं करना चाहिए।

ठंड का ज्यादा लगना और खांसी होना

सर्दी और खांसी सर्दियों में होने वाली आम समस्याएं हैं। यदि आपको लगातार सर्दी और खांसी हो रही है, तो डॉक्टर के पास जाना चाहिए। कई बार आपकी खांसी आपके लिए मुश्किल पैदा कर सकती है। सर्दियों में कई बार ड्राई खांसी भी शुरू हो जाती है जो बड़ी एलर्जी का कारण बन सकती है।

जुकाम और साइनसाइटिस

जुकाम और साइनसाइटिस सर्दियों में बढ़ जाती है। लोगों को लगता है कि यह एक आम समस्या है लेकिन यह काफी खतरनाक हो सकता है। क्योंकि सर्दियों साइनस की प्रॉब्लम को बिल्कुल भी इग्नोर नहीं करना चाहिए। इसके इलाज के लिए आपको स्पेशलिस्ट को दिखाना चाहिए।

अस्थमा और ब्रोंकाइटिस

कई लोग अस्थमा और ब्रोंकाइटिस को सर्दियों में होने वाली आम समस्याएं समझते हैं। लेकिन यह ध्यान रखें यह बड़ी समस्याएं हैं। खासकर अस्थमा की प्रॉब्लम का सर्दियों में बढ़ जाना नुकसानदेह हो सकता है। ऐसे में यह ध्यान रखना चाहिए कि आप पहले ही स्टेज में इन बीमारियों का इलाज करा लें।

सीने में लगातार दर्द होना

सीने के दर्द को लोग नजरअंदाज कर देते हैं। सीने के दर्द को कभी इग्नोर नहीं करना चाहिए। खासकर ठंड के मौसम में लोगों को लगता है कि हवा लगने के कारण सीने में दर्द हो रहा है। कई बार सर्दियों में यह प्रॉब्लम बड़ी हो सकती है। हो सकता है कि यह किसी बड़े खतरे की ओर इशारा कर रही हो। बता दें कि सर्दियों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है। यदि आपको मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं, तो डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

कहीं गिराते हैं तरबूज, तो कहीं जलाते हैं मोमबत्ती, जानें न्यू ईयर के अनोखे रिवाज

नया साल आने में अब कुछ ही दिनों का समय बाकी है। नए साल को अक्सर हम नए जीवन की शुरुआत जैसा मानते हैं। इसलिए इसका स्वागत भी बड़े धूमधाम से किया जाता है। दुनियाभर में अलग-अलग देश अलग-अलग ट्रेडिशन्स से न्यू ईयर सेलिब्रेट करते हैं। इस आर्टिकल में हम इसी बारे में जानेंगे कि दुनियाभर में न्यू ईयर मनाने के अलग-अलग ट्रेडिशन्स क्या हैं।

नया साल आने में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। इसलिए हर ओर लोग नए साल के स्वागत की तैयारियों में लगे हुए हैं। रेजोल्यूशन सोचने से लेकर न्यू ईयर पार्टी की प्लानिंग तक, नए साल के आगमन से पहले लोगों के बीच एक अलग ही उमंग देखने को मिलती है। अलग-अलग देशों में नए साल के स्वागत के अलग-अलग तरीके (Diverse New Year Celebrations) देखने को मिलते हैं, जो सालों से वहां की परंपरा रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी जानना चाहते हैं कि दुनियाभर में नए साल का जश्न किस तरह (Global New Year Customs) मनाया जाता है, तो आपको ये आर्टिकल जरूर पढ़ना चाहिए।

जापान-कोरिया

अगर एशियाई देशों के बारे में बात करें, तो जापान और कोरिया में नए साल की बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। इन दोनों देशों में घंटी बजाकर नए साल का स्वागत होता है। वो भी एक-दो बार नहीं, बल्कि पूरे 108 बार। जी हां, यहां नए साल पर 108 बार घंटी बजाना काफी शुभ माना जाता है। इसलिए जगह-जगह लोग न्यू ईयर ईव पर घंटी बजाते हुए नजर आते हैं।

नीदरलैंड्स

नीदरलैंड्स में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने का तरीका थोड़ा अनोखा है। इस मौके पर यहां के शहर एम्स्टर्डम में खास रौनक देखने को मिलती है। यहां नया साल मनाने का तरीका बेहद खास है। इस दिन लोग सुबह-सुबह नए साल में समुद्र के पानी में डुबकी लगाते हैं। इसके लिए वे शेवेनिंगेन बीच पर इकट्ठा होते हैं। ऐसा माना जाता है कि समुद्र में डुबकी लगाने से नया साल अच्छा बीतता है।

अमेरिका

अमेरिका में टाइम स्क्वायर पर नए साल का का जश्न बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। दुनियाभर से लोग यहां न्यू ईयर काउंट डाउन में हिस्सा लेने आते हैं। इस मौके पर टाइम्स स्क्वेयर पर लोग इकट्ठा होते हैं और सभी की निगाहें झंडे के लंबे खंभे पर टिकी होती है। यहां से एक गेंद नीचे गिरती है, जिसे काउंट डाउन का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण अमेरिकी शहरों में लोग ऊंचाई से चीजें नीचें फेंकते हैं, जैसे कि तरबूज।

स्पेन

स्पेन में नया साल मैड्रिड सिटी में या कैनरी द्वीप में मनाया जाता है। स्पेन के न्यू ईयर ट्रेडिशन में 12 अंगूर खाना शामिल है। रात को 12 बजे, लोग 12 महीनों के नाम 12 अंगूर खाते हैं। इस समय 12 घंटियां बजाई जाती हैं और हर घंटी के साथ एक अंगूर खाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से अच्छी किस्मत मिलती है। इसलिए इन्हें 'किस्मत के अंगूर' भी कहा जाता है। इसके रिवाज के बाद लोग नाचते-गाते हुए नए साल का स्वागत करते हैं।

कंबोडिया

कंबोडिया में नए साल पर लोग मंदिरों में अगरबत्तियां और धूप बत्ती जलाते हैं। इस दौरान लोग अच्छी किस्मत के लिए भगवान बुद्ध से प्रार्थना करते हैं। साल के दूसरे दिन लोग अपने पूर्वजों की याद में पूजा भी करवाते हैं। इस दिनगरीबों को दान भी दिया जाता है। तीसरे दिन लोग अपने घर के बुजुर्गों और भगवान बुद्ध के पैर धोते हैं। ऐसा अच्छी किस्मत को बुलाने और नेगेटिविटी को भगाने के लिए किया जाता है।

कहीं सर्दियों में आप भी तो नहीं खा रहे हैं मिलावटी गुड़, घर बैठे इन आसान तरीकों से करें टेस्ट

गुड़ का इस्तेमाल सर्दियों में काफी मात्रा में किया जाता है। इसे खाने से आयरन की कमी दूर होती है। साथ ही और भी कई जरूरी मिनरल्स भी मिलते हैं लेकिन अगर गुड़ शुद्ध न हो तो फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। यहां हम कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिनकी मदद से आप गुड़ की शुद्धता की जांच कर सकते हैं।

गुड़ हमेशा से ही भारतीय रसोई का एक अहम हिस्सा रहा है। यह न केवल मीठा होता है, बल्कि कई पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। इसलिए सर्दियों में इसका काफी ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। तिल आदि के लड्डू बनाने में या इसे दूध या घी के साथ भी कई लोग खाते हैं, ताकि उनकी इम्युनिटी बढ़े और शरीर को पोषण मिले। ऐसे में मांग बढ़ने की वजह से बाजार में मिलावटी गुड़ की भरमार हो जाती है। इसके कारण, शुद्ध गुड़ को पहचानना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हम यहां कुछ ऐसे टिप्स (How To Test Jaggery Authenticity) बताने वाले हैं, जिनकी मदद से आप घर बैठे गुड़ की शुद्धता की जांच (Check Jaggery Purity) कर सकते हैं।

गुड़ की शुद्धता की पहचान के तरीके

दिखावट

रंग- शुद्ध गुड़ का रंग हल्का भूरा या सुनहरा पीला होता है। बहुत चमकीला रंग या आर्टिफिशियल रंगों की मौजूदगी मिलावट का संकेत हो सकती है।

बनावट- शुद्ध गुड़ की बनावट थोड़ी खुरदरी होती है, लेकिन अगर यह चिकना या बहुत ज्यादा चमकदार है, तो यह मिलावटी हो सकता है।

स्वाद

मिठास- शुद्ध गुड़ का स्वाद मीठा होता है, लेकिन इसमें थोड़ी सी मिट्टी जैसी महक भी आती है।

अन्य स्वाद- अगर गुड़ का स्वाद कड़वा, खट्टा या बहुत ज्यादा मीठा लग रहा है, तो यह मिलावटी हो सकता है।

पानी में घोलकर

सॉल्युबिलिटी- शुद्ध गुड़ पानी में आसानी से घुल जाता है। अगर गुड़ पानी में पूरी तरह से नहीं घुल रहा है या नीचे बैठ जा रहा है, तो इसमें मिलावट हो सकती है।

रंग- शुद्ध गुड़ को पानी में घोलने पर पानी का रंग हल्का भूरा हो सकता है। यदि पानी का रंग बहुत ज्यादा बदल रहा है, तो इसमें रंग मिलाया गया हो सकता है।

जलाकर

धुआं- शुद्ध गुड़ को जलाने पर साफ धुआं निकलता है। अगर धुआं काला या बहुत ज्यादा धुंआ है, तो इसमें मिलावट हो सकती है।

गुड़ खरीदते समय ये सावधानियां बरतें

भरोसेमंद दुकानदार- हमेशा किसी भरोसेमंद दुकानदार से ही गुड़ खरीदें।

खुले में रखा गुड़ न खरीदें- धूल-मिट्टी से दूषित गुड़ से बचें।

छोटी मात्रा में खरीदें- एक बार में बहुत ज्यादा गुड़ न खरीदें।

पैकेजिंग पर ध्यान दें- पैकेट पर उत्पादन की तारीख, एक्सपायरी डेट और अन्य जरूरी जानकारियां जरूर देखें।

गुड़ खाने के फायदे

पाचन में सुधार- गुड़ पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है।

एनर्जी का स्तर बढ़ाता है- यह शरीर को तुरंत एनर्जी देता है।

खून साफ करता है- गुड़ खून को साफ करने में मदद करता है।

इम्युनिटी बढ़ाता है- यह शरीर की इम्यून पावर को बढ़ाता है।

अन्य फायदे- गुड़ आयरन, कैल्शियम और अन्य जरूरी मिनरल्स का एक अच्छा सोर्स है

नहीं रहे आर्थिक सुधारों के प्रणेता, पूर्व प्रधानमंत्री और RBI गवर्नर रहे मनमोहन सिंह का निधन

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने गुरुवार रात को दिल्ली एम्स में आखिरी सांस ली। उन्हें देर शाम एम्स में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। दिल्ली एम्स ने आधिकारिक बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की।

नई दिल्ली। देश में आर्थिक सुधारों के प्रणेता माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। तबीयत बिगड़ने के बाद उनको एम्स में भर्ती कराया गया था। 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे 92 वर्षीय मनमोहन सिंह ने एम्स के आपातकालीन विभाग में अंतिम सांस ली। दिल्ली एम्स ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है।

दिल्ली एम्स ने आधिकारिक बयान में बताया कि दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। वह उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और 26 दिसंबर को वह घर पर अचानक बेहोश हो गए थे। इसके बाद घर पर उन्हें तत्काल उपचार दिया गया। बाद में उन्हें शाम 8.06 बजकर एम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। इन सब प्रयासों के बावजूद उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और रात 9.51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

उनके परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं

उनके परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं। तबीयत खराब होने की सूचना पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा उन्हें देखने एम्स पहुंच गई थीं। रॉबर्ट वाड्रा भी उनके साथ मौजूद थे। खबर मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और कई कांग्रेसी नेता भी एम्स पहुंच गए। कांग्रेस ने कर्नाटक के बेलगावी में शुक्रवार के अपने सभी कार्यक्रम रद कर दिए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दिल्ली पहुंच रहे हैं।

अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ था जन्म

मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ था। देश के विभाजन के बाद उनका परिवार भारत चला आया था। मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण के जरिये भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व बाजार से जोड़ दिया। पंजाब विश्वविद्यालय में शिक्षक के तौर पर उन्होंने अपना करियर शुरू किया। बाद में दिल्ली स्कूल आफ इकोनॉमिक्स में प्रोफेसर पद पर रहे। वह वित्त मंत्रालय में सचिव, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और रिजर्व बैंक के गवर्नर भी रहे।

वे 1991 में असम से राज्यसभा के लिए चुने गए

अर्थशास्त्री से राजनेता बने मनमोहन सिंह 1991 में असम से राज्यसभा के लिए चुने गए। नरसिंह राव ने जिस समय उन्हें वित्त मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी थी, उस समय वह संसद के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे। 1991-96 तक नरसिंह राव सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने तमाम आर्थिक सुधार किए और लालफीताशाही का अंत किया। मनमोहन लगातार पांच बार राज्यसभा सदस्य रहे। राजीव गांधी के शासनकाल में मनमोहन सिंह को योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इस पद पर वह पांच वर्ष तक रहे।

बेलगावी से लौटे तमाम कांग्रेस नेता

उधर, कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक को रद कर दिया गया है और सारे कार्यक्रम कैंसिल कर दिए गए। वहीं खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत तमाम नेता दिल्ली लौट रहे हैं। इससे पहले, 13 अक्टूबर 2021 को मनमोहन सिंह को एम्स में भर्ती कराया गया था।

दिल्ली कांग्रेस ने ट्वीट कर दी जानकारी

प्रख्यात अर्थशास्त्री और देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय मनमोहन सिंह जी का निधन भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और उनके परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। दिल्ली कांग्रेस परिवार आदरणीय मनमोहन जी की स्मृतियों को नमन करता है और राष्ट्रनिर्माण में दिये उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया महान अर्थशास्त्री

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा- दुनिया के महान-अर्थशास्त्री, भारत में आर्थिक सुधारों के पुरोधा और अपने काम के जरिये देश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ाकर दुनिया भर में अलग पहचान दिलाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की खबर से मन व्यथित है। उनके जाने से राजनीतिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है, जो निकटतम भविष्य में भर पाना बेहद मुश्किल है। दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि, परिवारजनों और समर्थकों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

सबसे पहले रॉबर्ट वाड्रा ने दी जानकारी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने ट्वीट किया, ₹प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हमारे राष्ट्र के प्रति आपकी सेवा के लिए धन्यवाद। देश में आपके द्वारा लाई गई आर्थिक क्रांति और प्रगतिशील बदलावों के लिए आपको हमेशा याद किया जाएगा।₹

पप्पू यादव ने भी निधन पर जताया दुख

सांसद पप्पू यादव ने ट्वीट किया- देश ने एक बेमिसाल प्रधानमंत्री, सर्वश्रेष्ठ अर्थशास्त्री और कर्मयोगी महान इंसान को खो दिया ! डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन राष्ट्र और मेरी निजी क्षति है ! उनके योगदान को इतिहास स्वर्णाक्षरों में दर्ज करेगा ! मेरी गहरी संवेदना उनके अपनों के साथ है ! अंतिम प्रणाम सरदार साहब !

दिल्ली सरकार के विभागों ने आप की योजनाओं को बताया 'गैर-मौजूद' : जनता को दी चेतावनी

परिवहन विशेष न्यूज़

दिल्ली में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है जब राज्य सरकार के दो विभागों ने हाल ही में सार्वजनिक नोटिस जारी कर आम आदमी पार्टी (AAP) द्वारा घोषित की गई योजनाओं को 'गैर-मौजूद' करार दिया। यह नोटिस महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी किए गए, जिसमें 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' और 'संजीवनी योजना' के लिए चल रही पंजीकरण प्रक्रियाओं के खिलाफ चेतावनी दी गई है।

इन नोटिसों में कहा गया है कि ये योजनाएं वास्तविक नहीं हैं और नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी व्यक्ति या समूह को व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें जो इन योजनाओं से संबंधित होने का दावा कर रहे हैं। इससे राजनीतिक विवाद और बढ़ गया है, क्योंकि AAP ने इन योजनाओं को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने अभियान का केंद्रीय हिस्सा बनाया है।

मुख्यमंत्री अतिशी ने इन नोटिसों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी (BJP) के दबाव में जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा, ₹ये अधिकारी गलत जानकारी दे रहे हैं और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। महिला सम्मान योजना की अधिसूचना जारी की जा चुकी है और यह सार्वजनिक डोमेन में है।"

AAP ने हाल ही में घोषणा की थी कि यदि पार्टी 2025 में सत्ता में लौटती है, तो महिलाओं को प्रति माह ₹2,100 और वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। AAP प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इन योजनाओं के लिए पहले ही 13 लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है।

इस बीच, BJP ने इन नोटिसों का उपयोग करके AAP सरकार पर हमला किया, यह कहते हुए कि यह दर्शाता है कि AAP व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग करने की योजना बना रही है। दिल्ली BJP प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, ₹यह दुखद स्थिति है कि AAP सरकार जनता को धोखा दे रही है।"

कांग्रेस पार्टी ने भी इस मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए AAP की योजनाओं को 'खाली वादे' करार दिया। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, ₹इन योजनाओं के लिए वित्त विभाग से मंजूरी नहीं मिली है, इसलिए ये सिर्फ चुनावी प्रचार हैं।₹

इस विवाद ने AAP के लिए चुनावी तैयारी में नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। 2015 से सत्ता में रहने वाली AAP ने हमेशा अपनी कल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा किया है, लेकिन अब उसके अधिकारियों के साथ तनाव और BJP के नियंत्रण में दिल्ली की नौकरशाही के कारण बार-बार टकराव हो रहे हैं।

इस प्रकार, दिल्ली सरकार में चल रहा यह विवाद न केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है बल्कि यह नागरिकों के लिए भी एक चेतावनी है कि वे किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले सावधानी बरतें।

कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला की पुस्तक का राज्यपाल जनरल बीके सिंह ने किया विमोचन

परिवहन विशेष न्यूज़

नई दिल्ली। फ़रीदाबाद मे आयोजित गुर्जर अंतर-राष्ट्रीय महोत्सव सूरज कुंड मेला मैदान मे मिजोरम के राज्यपाल महामहिम जनरल वीके सिंह द्वारा कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की सुक्तियों पर आधारित पुस्तक 'हिम्मत, मेहनत और नीयत' का भव्य विमोचन हुआ।

यह पुस्तक सुनीता बैंसला, कर्नल बैंसला की सुपुत्री और प्रधान महानिदेशक, आयकर विभाग भारत सरकार द्वारा सम्पादित और संकलित है। इस अवसर पर भाजपा नेता एडवोकेट धर्मवीर सिंह भी उपस्थित रहे। पुस्तक विमोचन समारोह भव्य सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारम्भ हुआ। करोली राजस्थान के निसुरा गाँव की जोठ ने उद्धत स्वरो मे कर्नल बैंसला के जीवन और मिशन पर गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किये।

राज्यपाल जनरल वीके सिंह ने अपने वक्तव्य मे कर्नल बैंसला कों याद करते हुए उनकी सैनिक सेवाओं और सामाजिक सेवाओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला को एक महान और कर्मट समाज सेवी बताया और कहा की हो वह ठान लेते , वह कर के दिखाते। उनके विचार जो पुस्तक में अंकित हैं, हर समाज के लिए प्रेरणादायक है।

पुस्तक सम्पादक एवं संकलनकर्ता सुनीता बैंसला ने आंगनतुको का धन्यवाद करते हुए, कर्नल बैंसला द्वारा सामाजिक चेतना के संघर्ष पर प्रकाश डाला तथा सामाजिक न्याय के महानायक कर्नल बैंसला के जीवन संघर्ष कों जीवन मे उतारने का आह्वान किया। ध्यात्वय है कि समूचे भारत मे कर्नल बैंसला सामाजिक जागरण के प्रकाशपुंज के रूप मे स्थापित नायक है। अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य. पढी लिखी माँ और कर्ज मुक्त समाज बनाने के उनके सामाजिक लक्ष्य कों सर्वसमाज मान्यता देता है तथा उन्हें बड़े सम्मान के साथ याद करता है। ऐसे मे कर्नल बैंसला के विचारों की पुस्तक कों लेकर समाज के बुद्धिजीवी एवं सामान्य वर्ग मे बहुत उत्साह है।

कार्यक्रम गुर्जर आर्ट एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के मंच पर सुयोग संस्था द्वारा आयोजित किया गया।

लोकनायक जयप्रकाश जयंती समारोह - अनेक चर्चित एवं जमीनी लोगों को जेपी अवार्ड- 2024 से सम्मानित किया

परिवहन विशेष न्यूज़

नई दिल्ली। लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में देश के लोकनायक जयप्रकाश नारायण को एक भव्य व गरिमापूर्ण कार्यक्रम में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी व उनके विचारों का स्मरण करते हुए उनके विचारों की वर्तमान में भी उतनी प्रासंगिकता होने की बात कही गयी ।इस अवसर पर जेपी से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

लोकनायक जयप्रकाश जयंती समारोह के अवसर पर ₹ लोकनायक एवं लोक क्रांति ₹ विषय पर देश के प्रसिद्ध व्यक्ति, राजनेता, साहित्यकार पत्रकार समाज विज्ञानी इत्यादि ने अपनी बात रखीं और इस मौके पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को से सम्मानित किया गया । यह कार्यक्रम इंडिया इंटरनेशनल सेंटर ,नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के आरंभ में अभय सिन्हा , महासचिव ₹ लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केंद्र₹ ने बताया कि जेपी ने पांच जून, 1975 को पटना के गांधी मैदान में विशाल जनसमूह को संबोधित किया. यहीं उन्हें 'लोकनायक' की उपाधि दी गई. इसके कुछ दिनों बाद ही दिल्ली के रामलीला मैदान में उनका ऐतिहासिक भाषण हुआ. उनके इस भाषण के कुछ ही समय बाद इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया. दो साल बाद लोकनायक के संपूर्ण क्रांति आंदोलन के चलते देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत , माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री , भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि बहुत से नेता मिले जिनके प्रयासों के कारण ही यह देश आज तक टिका हुआ है और उसकी समस्त उपलब्धियां उन्हीं नेताओं की दूरदृष्टि और त्याग का नतीजा है। ऐसे ही नेताओं में जीवन भर संघर्ष करने वाले और इसी संघर्ष की आग में तपकर कुंदन की तरह दमकते हुए समाज के सामने आदर्श बन जाने वाले प्रेरणास्रोत थे लोकनायक जयप्रकाश नारायण, जो अपने त्यागमय जीवन के कारण मृत्यु से पहले ही प्रातः स्मरणीय बन गए थे। अपने जीवन में संतों जैसा प्रभामंडल केवल दो नेताओं ने प्राप्त किया। एक महात्मा गांधी थे तो दूसरे जयप्रकाश नारायण। जनसंघ एवं बीजेपी के प्रेरक दीन दयाल उपाध्याय जी का "अंत्योदय " एवं "एकात्म मानवतावाद" और जेपी के समाजवाद में बहुत साम्यता है ।

भारत के उपराष्ट्रपति आदरणीय जगदीप धनकड़ जी ने इस अवसर पर भेजे संदेश में कहा कि देश में आजादी की लड़ाई से लेकर वर्ष 1977 तक तमाम आंदोलनों की मशाल थामने वाले जेपी यानी जयप्रकाश नारायण का नाम देश के ऐसे शख्स के रूप में उभरता है जिन्होंने अपने विचारों, दर्शन तथा व्यक्तित्व से देश की दिशा तय की थी। उनका नाम लेते ही एक साथ उनके बारे में लोगों के मन में कई छवियां उभरती हैं । भारतीयता और समाजवाद एक दूसरे के पर्याय हैं । सनातन धर्म की शुभ - लाभ की संकल्पना का आधुनिक स्वरूप समाजवाद में अभिव्यक्त होता है ।

वहीं देश के जाने माने साहित्यकार एवं जन कवि डॉ बुद्धिनाथ मिश्र ने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकनायक के शब्द को असलियत में चरितार्थ करने वाले जयप्रकाश नारायण अत्यंत समर्पित जननायक और मानवतावादी चिंतक तो थे ही इसके साथ-साथ उनकी छवि अत्यंत शालीन और मर्यादित सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति की भी है। उनका समाजवाद का नारा आज भी हर तरफ गूंज रहा है। पूर्व सांसद आर के सिन्हा जी बोले कि भले ही उनके नारे पर राजनीति करने वाले उनके सिद्धान्तों को भूल रहे हों, क्योंकि उन्होंने सम्पूर्ण क्रांति का नारा एवं आन्दोलन जिन उद्देश्यों एवं बुराइयों को समाप्त करने के लिये किया था, वे सारी बुराइयां इन राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं में व्याप्त है। कार्यक्रम को इसके अतिरिक्त चक्रपाणि महाराज, पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर जी के राजनीतिक सचिव रहे श्री एच एन शर्मा ने जेपी को स्मरण करते हुए कहा कि जेपी देश के ऐसे अकेले नेता रहे जो कभी किसी पद पर नहीं रहे परंतु उन्होंने 100 से ज्यादा संस्थाओं को स्थापित करने में अपना योगदान दिया, विधायक रश्मि वर्मा जी आदि ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में जेपी के मूल्यों व सिद्धांतों को आगे रखकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व व कई अन्य हस्तियों को जेपी अवार्ड- 2024 से सम्मानित किया गया। जिसमें समाजवादी चिंतक थम्मपन थॉमस व विमल कुमार जैन, साहित्यकार ममता कालिया एवं बुद्धिनाथ मिश्र , भजन गायक अनूप जलोटा, शिक्षाविद प्रो. मनोज कुमार कैन, डॉ प्रकाश विनायक जोशी , वरिष्ठ पत्रकार संदीप चौधरी, नृत्यांगना नलिनी एवं कमलिनी जी , पर्यावरणविद सुरेश भाई आदि प्रमुख हैं कार्यक्रम का संचालन सुश्री अमृत नीलम ने किया।

अभय सिन्हा , महासचिव
"लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केंद्र"

हीटर में छेड़छाड़ करने से हो सकता है बड़ा धमाका: विशेषज्ञों की चेतावनी

परिवहन विशेष न्यूज़

हाल ही में एक घटना ने सभी को चौंका दिया है, जिसमें एक हीटर में छेड़छाड़ करने के कारण वह विस्फोट कर गया। यह घटना लोगों के लिए एक गंभीर चेतावनी बन गई है कि हीटर के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ करना खतरनाक हो सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि हीटर में किसी भी तरह का बदलाव या मरम्मत करने से वह बम की तरह फट सकता है। ऐसे मामलों में अक्सर गंभीर चोटें लगने या जान जाने का खतरा रहता है। इसलिए, यदि किसी हीटर में कोई समस्या आती है, तो उसे स्वयं ठीक करने के बजाय पेशेवर तकनीशियन से संपर्क करना चाहिए।

इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा के प्रति लापरवाही न केवल व्यक्ति के लिए, बल्कि उसके आस-पास के लोगों के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। इसलिए, सभी को यह सलाह दी जाती है कि वे हीटर का उपयोग करते समय सावधानी बरतें और किसी भी प्रकार की समस्या पर तुरंत विशेषज्ञ से सहायता लें।

इस प्रकार की घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि घरेलू उपकरणों का सही उपयोग और देखभाल कितनी महत्वपूर्ण है। सुरक्षा को प्राथमिकता देना हमेशा सबसे अच्छा विकल्प होता है।

केजरीवाल बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज और फ्री बस यात्रा की तरह ही महिला सम्मान योजना को लागू कर 2100 रुपए महीना भी देंगे- संजय सिंह

सुषमा रानी

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री महिला सम्मान राशि योजना को लेकर दिल्ली की महिलाओं को गुमराह करने की भाजपा की साजिशें काम नहीं आ रही हैं। इस योजना के तहत अपना रजिस्ट्रेशन कराने को लेकर महिलाओं का उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह का कहना है कि दिल्ली की माताओं-बहनों को अरविंद केजरीवाल पर भरोसा है। इसलिए महिला सम्मान राशि के लिए 22 लाख महिलाओं ने अब तक रजिस्ट्रेशन कराया है। महिलाओं को मालूम है कि अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज और महिलाओं की फ्री बस यात्रा की, उसी तरह महिला सम्मान योजना को भी लागू करेंगे और उन्हें 2100 रुपए हर महीना देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा महिलाओं के खिलाफ रहती है। वह नहीं चाहती है कि हमारी माताएं-बहनें सशक्त और मजबूत हों। भाजपा चाहे जितना विरोध या ड्रामा कर ले, लेकिन कुछ होने वाला नहीं है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि महिला सम्मान योजना के तहत अबतक 22 से 23 लाख महिलाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। महिलाओं को अरविंद केजरीवाल पर भरोसा है। उन्हें आम आदमी पार्टी पर भरोसा है। उन्हें भरोसा है कि अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाने के बाद हर महिला के खाते में हर महीने 2100 रुपए पहुंचेंगे। इसलिए माताएं-बहनें अपना रजिस्ट्रेशन करा रही हैं। भाजपा महिलाओं के खिलाफ हमेशा रहती है। वह नहीं चाहती है कि महिलाएं सशक्त और मजबूत हों। उनके हाथ में कुछ पैसे आएं। इसलिए भाजपा इसका विरोध कर रही है। इनसे कुछ होता नहीं है। हम कुछ कर रहे हैं तो उसे भी नहीं करने देना चाहते हैं। लेकिन मैं भाजपाईयों को बताना चाहता हूं कि ये जितना भी विरोध कर लें, 2100 रुपए की महिला सम्मान योजना को अरविंद केजरीवाल दिल्ली में लागू करके ही रहेंगे। ये जो चाहे विरोध कर लें, कुछ भी नहीं होने वाला है।

संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली में सभी लोगों को पता है। चाहें जो पैसे दे लेकिन लोग वोट अरविंद केजरीवाल को ही देंगे। दिल्ली की जनता यह जानती है कि उनका काम अरविंद केजरीवाल करते हैं। अरविंद केजरीवाल ने बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज, महिलाओं के लिए बस यात्रा और बुजुर्गों के लिए तीर्थयात्रा फ्री की। इसके साथ ही, 2100 रुपए की महिला सम्मान योजना को भी अरविंद केजरीवाल लागू करेंगे। दिल्ली के लोगों का यह भरोसा है। चुनाव के वक्त भाजपा वाले पैसे बाटेंगे ही, वह इसके लिए मशहूर हैं। कांग्रेस या भाजपा जितना चाहे विरोध कर ले लेकिन अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद महिला सम्मान योजना दिल्ली में लागू होगी। इसमें कोई भी इधर-उधर नहीं कर सकता। कांग्रेस और भाजपा को जितनी ताकत लगानी है लगा लें। भाजपाई जितना चाहे कपड़ा फाड़कर विरोध करना चाहें कर लें। कुछ होने वाला नहीं है।

वहीं, आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली की महिलाओं ने एक बार फिर अरविंद केजरीवाल पर पूरा भरोसा जताया है। जब से मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ है तब से पिछले दो दिनों के अंदर ही दिल्ली की 22 लाख महिलाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। इस स्कीम के तहत 18 वर्ष से ऊपर दिल्ली की हर महिला को 2100 रुपए प्रति महीना मिलेगा। दिल्ली के लोगों को पता है कि अगर किसी नेता ने कभी भी अपने वादे पूरे किए हैं तो वह केवल अरविंद केजरीवाल हैं। अरविंद केजरीवाल ने जब दिल्ली में बिजली बिल हाफ-पानी माफ का नारा दिया गया, उस समय भी भाजपा इस पर हंसी थी और इसका मजाक उड़ाया था। आज भी भाजपा के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सुबह-शाम गाली देने के अलावा दिल्ली के लिए न कोई विजन है, न कोई प्लान है और ना ही कोई सीएम का चेहरा है।

पीएम मोदी रविवार को आएंगे गाजियाबाद, आधे शहर में ड्रोन उड़ाने पर लगी पाबंदी; बीएनएस की धारा 163 लागू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गाजियाबाद में नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस कारण सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सुरक्षा कारणों से शहर के आठ थाना क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीएनएसएस की धारा 163 लागू की है। ड्रोन संचालन के लिए डीसीपी से अनुमति लेनी होगी।

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को साहिबाबाद से आनंद विहार स्टेशन के बीच नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने आएंगे। पीएम की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने शहर के आठ थानाक्षेत्रों में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस रूट डायवर्जन प्लान भी जारी करेगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए कानून-व्यवस्था के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू की है। पुलिस ने कोतवाली, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम, लिंक रोड, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, सिहानी गेट और कौशांबी थानाक्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई है। इन आठ थानाक्षेत्रों को नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित किया गया है।

ड्रोन संचानल के लिए डीसीपी से लेनी होगी अनुमति

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मीडियाकर्मी या अन्य व्यक्ति एवं संगठन को प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन से फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करनी है तो संबंधित थाने को ड्रोन एवं ड्रोन ऑपरेटर की जानकारी देकर डीसीपी से अनुमति लेनी होगी। पुलिस का कहना है कि निषेधाज्ञा रविवार की आधी रात तक जारी रहेगी। पुलिस प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए लिंक रोड, जीटी रोड और वजीराबाद रोड पर डायवर्जन प्लान भी जारी करेगी।

पीएम नमो भारत ट्रेन से न्यू अशोक नगर दिल्ली जाएंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साहिबाबाद नमो भारत ट्रेन से न्यू अशोक नगर दिल्ली जाएंगे। इसको लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बृहस्पतिवार को एसपीजी के अधिकारियों ने पुलिस, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, खुफिया विभाग, पीडब्ल्यूडी, जीडीए, एनसीआरटीसी और केंद्र सरकार के अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठ की।

सीमाओं पर 24 घंटे सुरक्षा सख्त कर दी गई

दिल्ली और आसपास की सीमाओं पर 24 घंटे सुरक्षा सख्त कर दी गई है। बृहस्पतिवार को सुबह एसपीजी के अधिकारियों ने गाजियाबाद पुलिस, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, खुफिया विभाग, पीडब्ल्यूडी, जीडीए, एनसीआरटीसी व केंद्र सरकार के अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ पहले हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर बैठक की। इसके बाद नमो भारत स्टेशन साहिबाबाद पर दोपहर तक बैठक की गई। कई अधिकारी क्षेत्र में निरीक्षक के लिए चले गए।

पीएम रूट से हटाया जाएगा अतिक्रमण

हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन साहिबाबाद आएंगे। इस दौरान सड़क पर दुकानों के आगे किए गए अतिक्रमण को हटाने का काम भी संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने शुरू कर दिया है। पूरे रूट को साफ सुथरा बनाया जा रहा है। आवारा पशुओं को पकड़ा जा रहा है। इसके लिए नगर निगम की टीम घूम रही है।

अप्पू घर समूह की 120.98 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क, ED ने की बड़ी कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड की 120 .98 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कंपनी अप्पू घर समूह से संबंधित है और वर्तमान में दिवालिया है। कार्रवाई मंगलवार को की गई। कुर्क की गई संपत्तियों में सेक्टर 29 गुरुग्राम में 25 एकड़ भूमि और सेक्टर 52ए में 17 एकड़ भूमि शामिल हैं।

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड की 120.98 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

यह कंपनी अप्पू घर समूह से संबंधित है और वर्तमान में दिवालिया है। कार्रवाई मंगलवार को की गई। कुर्क की गई संपत्तियों में सेक्टर 29 गुरुग्राम में 25 एकड़ भूमि और सेक्टर 52ए में 17 एकड़ भूमि शामिल हैं। इन जमीनों पर स्थित अधूरे निर्माण कार्य भी इस कार्रवाई का हिस्सा हैं। ईडी ने अपनी जांच गुरुग्राम पुलिस द्वारा मैसर्स इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड, इसके प्रमोटर राकेश बब्बर, ज्ञान विजेश्वर, रॉबिन विजेश्वर और अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की।

इन पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोप हैं। जांच में सामने आया कि कंपनी ने करीब 1500 निवेशकों से 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई थी। निवेशकों को सेक्टर 29 और सेक्टर 52ए, गुरुग्राम में रिटेल शॉप/वर्चुअल स्पेस आवंटित करने का वादा किया गया था। लेकिन कंपनी अपने वादे पूरे करने में असफल रही और समय सीमा भी पार कर दी। साथ ही निवेशकों को मासिक रिटर्न देने का आश्वासन भी पूरा नहीं किया गया। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि प्रमोटरों ने निवेशकों के फंड का दुरुपयोग किया और इसे अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए उपयोग किया। प्रमोटर निदेशकों ने ईओडी (खरीददार संस्था) के साथ पीछे की तारीखों में समझौते किए ताकि इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड की बैलेंस शीट से व्यापारिक एडवांस हटा दिया जाए। इससे निदेशक अपनी जिम्मेदारियों से बचने में सफल रहे। पीएमएलए जांच में यह भी पाया गया कि आईबीबीआई (दिवाला और दिवालियापन बोर्ड) की अनुशासनात्मक समिति ने गंभीर आरोपों के चलते समाधान पेशेवर (रेजोल्यूशन प्रोफेशनल) को निलंबित कर दिया। छह साल बाद भी दिवालियापन प्रक्रिया में कोई समाधान योजना नहीं लाई गई है जिससे निवेशकों के हितों को भारी नुकसान हुआ।

जेल से बाहर आए 38 किसान, हंगामा करने पर 29 दोबारा सलाखों के पीछे पहुंचे

इन सभी को दोबारा 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस का दावा है की नारेबाजी और हंगामा करने के आरोप में किसान गिरफ्तार किए गए हैं। फिलहाल नौ किसान जो हंगामा नहीं कर रहे थे उन्हें दोबारा गिरफ्तार नहीं किया गया। वहीं पुलिस अधिकारियों ने बाहर मौजूद किसानों को चेतावनी दी कि कहीं भी हंगामा व प्रदर्शन करने पर गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा। न्यायालय से जमानत मिलने के बाद बुधवार को जेल के बाहर आकर नारेबाजी व हंगामा करने वाले 29 किसानों को पुलिस ने दोबारा 14 दिन के लिए जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। फिलहाल कुल 38 किसान जेल से रिहा किए गए थे। इनमें से नौ किसान अपने घरों को चले गए। किसानों के हंगामा की आशंका के चलते पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई थी।

पुलिस के अनुसार, न्यायालय के आदेश पर बुधवार सुबह लुक्सर जेल में बंद 38 किसानों को रिहा किया गया। कई दिन से जेल में बंद किसान नेताओं की रिहाई की जानकारी पर बड़ी संख्या में किसान जेल के बाहर पहुंच गए थे। किसानों की भीड़ देख बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी लगा दी गई।

सुनील फौजी समेत 29 किसान फिर गिरफ्तार

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जेल में बंद किसान रिहाई पर बाहर आते ही नारेबाजी व हंगामा करने लगे। एडीसीपी अशोक कुमार का कहना है कि बार-बार चेतावनी देने के बाद भी किसान नेता हंगामा बंद नहीं कर रहे थे। मजबूरन किसान नेता सुखबीर खलीफा, रूपेश वर्मा, सुनील फौजी समेत 29 किसानों को फिर से गिरफ्तार कर लिया।

नोएडा में फ्लाईओवर से 30 फीट नीचे गिरे युवक की मौत, दोस्त के साथ बाइक से जा रहा

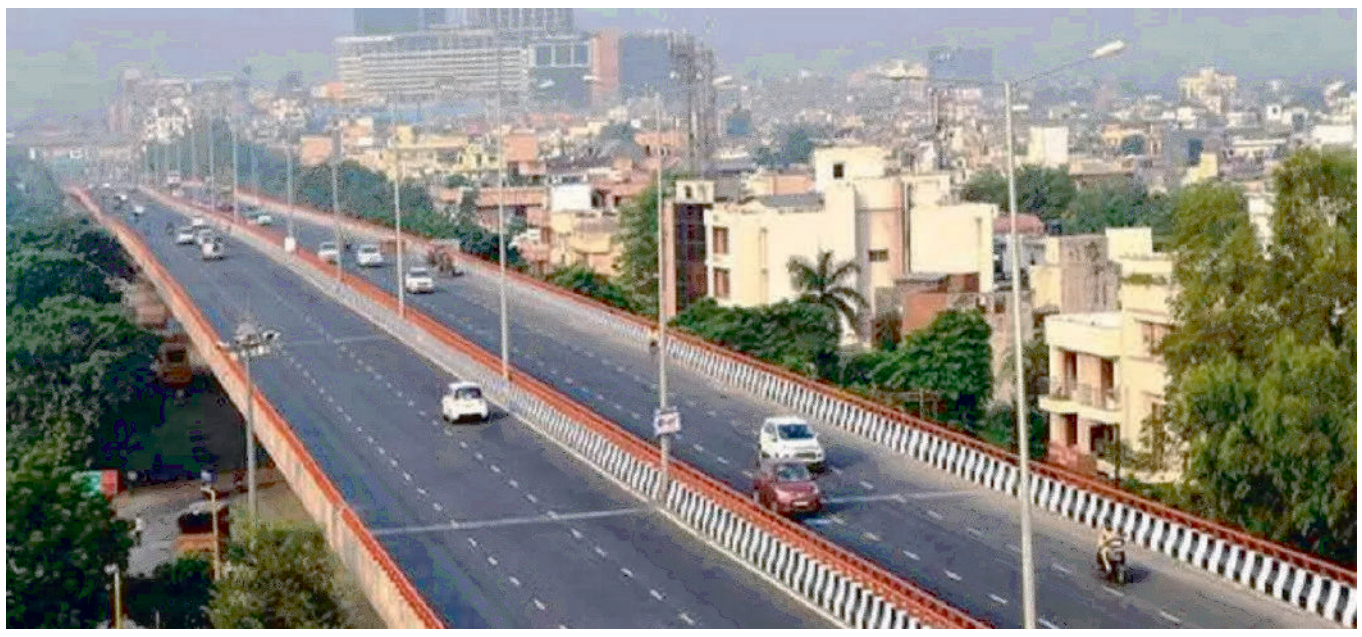

सेक्टर 24 थाना क्षेत्र में बाइक पर पीछे बैठे एक व्यक्ति की नोएडा एलिवेटेड रोड से उछलकर 30 फीट नीचे गिरने से मौत हो गई। उनकी बाइक को पीछे से एक होंडा सिटी ने टक्कर मारी थी। इस घटना में उसके दोस्त को गंभीर चोटें आईं। यह दर्दनाक घटना मंगलवार देर शाम हुई थी। इसमें घायल मिजोरम के युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

नोएडा। सेक्टर 24 थाना क्षेत्र के एलिवेटिड रोड पर मंगलवार देर शाम सड़क दुर्घटना में सर्विस रोड पर गिरे मिजोरम के युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव स्वजन को सौंप दिया।

बाइक पर मैप लगाने के दौरान हुआ हादसा

उधर, सड़क दुर्घटना में घायल दूसरे युवक का अस्पताल में उपचार चल रहा है। स्वजन ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त युवक बाइक पर गूगल मैप लगा रहा था तभी पीछे से कार ने टक्कर मार दी।

मंगलवार रात साढ़े आठ बजे हुई थी दुर्घटना

थाना प्रभारी निरीक्षक श्यामबाबू शुक्ल ने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद जांच में सामने आया कि सेक्टर 119 की आम्रपाली प्लेटिनम सोसाइटी के प्रणव चक्रवर्ती ने अपनी कार से मंगलवार रात साढ़े आठ बजे एलिवेटिड रोड पर आगे चल रही बाइक में टक्कर मार दी थी।

बाइक चला रहे मिजोरम के पाउलुंग मुआना और पीछे बैठे मिजोरम सैतुल के 23 वर्षीय पाओबेग थंगा चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पाओबेग थंगा एलिवेटेड रोड से नीचे सर्विस रोड पर जा गिरे और पाउलुंग रोड पर गिरकर घायल हो गए। आनन-फानन में दोनों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया।

सेक्टर 70 में किराए पर रहते थे दोनों

पाओबेग थंगा को गंभीरावस्था में दिल्ली सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां पाओबेग की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया। उधर, दोनों सेक्टर 70 में किराए पर रहते थे। पाओबेग थंगा सैलून में काम करता था जबकि पाउलुंग निजी कंपनी में काम करता था।

सेक्टर-51 की सड़कों पर बेहतर रोशनी के लिए व्यवस्था शुरू

सर्दी के दौरान सेक्टर-51 की सड़कों पर बेहतर रोशनी की व्यवस्था हो। इसके लिए प्राधिकरण के विद्युत यांत्रिकी विभाग की ने स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शुरू किया है। इसके तहत सेक्टर-51 बीडीएस मार्केट से F-78 तक स्ट्रीट लाइट लगवाई जा रही है। सेक्टर की 18 मीटर रोड पर प्राधिकरण स्ट्रीट लाइट डिविजन के सहयोग से डेकोरेटिव लाइट लगवाने का कार्य शुरू करवाया गया।

यही नहीं ई ब्लाक में नार्मल स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए आठ मीटर के खंभे व सी ब्लाक में चार मीटर खंभे नार्मल लाइटे के लिए लगाए जा रहे है, जिसका बेस तैयार करने का काम विद्युत यांत्रिकी विभाग महाप्रबंधक आरपी सिंह के निर्देश पर डिविजन की टीम ने शुरू किया है। सेक्टर 51 महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि सेक्टर में उजाला करने के लिए लाइट लगवाई जा रही है।

नए साल पर पुलिस ने कर ली तैयारी, शराब पीकर चलाई गाड़ी तो मोटा चालान के साथ होगी ये कार्रवाई

नए साल के जश्न के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गाजियाबाद पुलिस ने कमर कस ली है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। 26 दिसंबर से दो जनवरी तक शहर में 26 स्थानों पर 24 घंटे चेकिंग की व्यवस्था रहेगी। पुलिसकर्मी ब्रेथ एनालाइजर के साथ मौजूद रहेंगे। लेख में पढ़ें पूरी खबर।

गाजियाबाद। नए साल का जश्न मनाकर शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर पुलिस 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाएगी। पुलिस ने 26 दिसंबर से दो जनवरी तक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारी की है। इसमें शहर में 26 स्थानों पर 24 घंटे चेकिंग की व्यवस्था भी शामिल है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 31 दिसंबर को बार, रेस्तरां, होटल समेत समारोह स्थलों के बाहर पुलिसकर्मी ब्रेथ एनालाइजर के साथ मौजूद रहेंगे। 26 दिसंबर सुबह 10 बजे से दो जनवरी की शाम तक जनपद के 26 स्थानों पर चेकिंग के लिए प्रत्येक पाइंट पर 10 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

पुलिस के इस प्रयास से इन चीजों पर लगेगी रोक

इस टीम के पास टार्च, ब्रेथ एनालाइजर और मोबाइल बैरिकेड होंगे। सभी थाना प्रभारी और एसीपी दो बार अपने क्षेत्र के चेकिंग पाइंट पर जाकर वाहनों की चेकिंग करेंगे।

पुलिस का कहना है कि इससे शराब पीकर वाहन चलाने, महिलाओं-बच्चियों से छेड़खानी करने और गाड़ी की छत या बोनट पर बैठकर हुड़दंग करने वालों पर रोक लगेगी।

यह रहेगा पुलिस का प्रबंध

नए साल के कार्यक्रमों की अनुमति 48 घंटे में एसीपी को देने के आदेश।

एक जनवरी को सभी धार्मिक स्थलों पर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे जिससे भीड़ बढ़ने पर व्यवस्था बनी रहे।

मॉल और मल्टीप्लेक्स में नए साल पर भीड़ को देखते हुए पुलिस और यातायतकर्मियों की तैनाती रहेगी।

नशे में वाहन चलाने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 10 हजार रुपये जुर्माना एवं आठ महीने कारावास का प्रावधान है।

कार्यक्रम स्थल या कार्यस्थल से घर जाने वाली अकेली महिला डायल-112 पर पुलिस को कॉल कर सकती है।

पुलिस एस्कोर्ट करते हुए उसे घर तक छोड़कर आएगी।

स्वास्थ्य विभाग के समन्वय कर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी कराई जाएगी।

वहीं पर एक अन्य मामले में गृहमंत्री अमित शाह के निधन की झूठी खबर फैलाने पर गाजियाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। बता दें वायरल इन इंडिया नामक फेसबुक पेज पर यह भ्रामक पोस्ट शेयर की गई थी।

पुलिस ने भाजपा के वसुंधरा मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने पुलिस से इस झूठी खबर को हटवाने और संबंधित पेज व पोस्ट करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस साइबर सेल की मदद से पोस्ट करने वाले की तलाश कर रही है।

विद्या, ज्ञान और कौशलता मानवीय आजीविका चलाने के मूल मंत्र- जीवन की प्रगति और आत्मनिर्भर भारत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान

सत विद्या यदि का चिन्ता, वराकोदर पूरणे-यदि सच्चा ज्ञान हो तो भूख मिटाने की चिंता नहीं करनी पड़ती।

पृथ्वी पर बुद्धि क्षमता में सर्वश्रेष्ठ मानव योनि-विद्या, ज्ञान और कौशलता से परिपूर्ण होना समय की मांग-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - पृथ्वी पर बुद्धि क्षमता में सर्वश्रेष्ठ मानव योनि को माना गया है, ऐसा हम पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक प्रवचनों, बड़े बुजुर्गों से वार्तालाप में हम सुनते आ रहे हैं। अगर हम प्रैक्टिकल वे में इसे महसूस करें तो अक्षरतःअक्षर यह पूर्ण सत्य है।

साथियों आदिकाल से हम सुनते आ रहे हैं कि सर्वश्रेष्ठ प्रजाति मानव गर्भ से कुछ सीख़ कर नहीं आता प्राणी जन्म के बाद से ही सभ कुछ सीख़ता है और अलग-अलग रूप में अपनी आजीविका चलाता है।जीवन में गरीबी अमीरी सुख-दुख इत्यादि के चक्र में आता है।

साथियों बात अगर हम मानव के दुनिया में जीवन यापन की करें तो यह 100 फ़ीसदी सत्य बात है कि यदि मानव में उपरोक्त तीनों प्रमुख मंत्र विद्या, ज्ञान और कौशलता या इनमें से कोई भी एक मंत्र निहित है तो वह मानव अपनी आजीविका, जीवन को प्रगति कर सफलताओं को पाने में कभी पीछे नहीं रहेगा।

साथियों बात अगर हम इन उपरोक्त तीन मंत्रों की करें तो दिमाग में सीधा नाम शैक्षणिकता का आता है और शिक्षा प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मानसिक स्वास्थ्य सर्वोपरि से हम इनकार नहीं कर सकते और तीनों मंत्र प्राप्त करने के लिए हम प्री प्ले नर्सरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से विद्या, ज्ञान और कौशलता हासिल करते हैं। मेरा मानना है कि यह तीनों मंत्र हर मानव के लिए एक ब्रह्मास्त्र की शक्ति रखते हैं, क्योंकि इनके बल पर हम किसी भी परिस्थितियों में अपनी आजीविका और जीवन की प्रगति को के पथ पर चलने में ज़रूर सफल होंगे ऐसा हमें विश्वास है।

साथियों बात अगर हम लक या किस्मत की करें तो भारत एक अति आध्यात्मिकता पालक देश है। जहां कुछ अपवादों को छोड़कर, नागरिकों का आध्यात्मिकता में अति विश्वास हैं और हम भाग्य को भी नकार नहीं सकते, यानें गॉड गिफ्टेड ज्ञान को भी नकार नहीं सकते। और कहते हैं ना कि, अगर किस्मत ही ख़राब हो तो क्या करें? परंतु मेरा निजी मानना है कि उपरोक्त तीनों मंत्रों के आगे किस्मत को भी पसीज़ना पड़ता है और मानव की हिम्मत जज़बा और जांबाज़ी की जीत होती है! हालांकि बड़े बुजुर्गों का कहना है कि भगवान भूखा उठाता है, परंतु किसी को भूखा सुलाता नहीं, यह बात भी हम सच मानते हैं, परंतु यह भी सच्चाई है कि मानव को जीवन में एक सफ़ल जिंदगी जीकर अपनी अगली पीढ़ियों के लिए रास्ता बनाने के लिए विद्या, ज्ञान और कौशल रुपी तीनों मंत्रों को ग्रहण करना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम इन तीनों मंत्रों की संलग्नता आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए करें तो यह बिल्कुल सटीक, सत्य मंत्र साबित होंगे। क्योंकि यही वह तीनों सशक्त और धारदार अस्त्र हैं जो मानव को प्रगति की ओर आसान रास्ता बनाने में मदद करते हैं। जिसमें उनके साथ उस व्यक्ति का गांव, शहर, जिला, राज्य और देश भी तीव्रता से उन्नति प्राप्त करता है। इन तीनों मंत्रों को हमारी नई शिक्षा प्रणाली 2020 में भी शामिल किया गया है।

साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम की आकांक्षाओं आत्मनिर्भर भारत, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था 2047 का भारत विज़न की करें तो अगर हम भारतीय नागरिकों ने उपरोक्त तीनों मंत्र ग्रहण कर लिए तो वह दिन दूर नहीं होगा जब हम इससे कहीं अधिक बढ़-चढ़कर वैश्विक सफलताओं के झंडे भारत विज़न 2047 के पूर्व ही गाड़ दें़गे और हम वैश्विक महाशक्ति उभर कर सामने होंगे।

साथियों बात अगर हम कुछ समय पूर्व माननीय पीएम के वर्चुअल संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, उन्होंने भी कहा कि,हमारे यहाँ कहा जाता है-सत्विद्या यदि का चिन्ता, वराकोदर पूरणे। भावार्थ जिसके पास विद्या है, ज्ञान और कौशल है उसे अपनी आजीविका के लिए, जीवन की प्रगति के लिए चिन्ता नहीं करनी पड़ती। सक्षम व्यक्ति अपनी प्रगति के लिए खुद ही रास्ते बनाता है। मुझे खुशी है कि सरदारधाम ट्रस्ट द्वारा शिक्षा और कौशल पर बहुत जोर दिया जा रहा है। 21वीं सदी में भारत के पास अवसरों की कमी नहीं है। हमें खुद को ग्लोबल लीडर रूप में देखना है, अपना सर्वश्रेष्ठ देना है और सर्वश्रेष्ठ करना भी है।पूरा भरोसा है कि देश की प्रगति में गुजरात का जो योगदान रहा है, उसे हम अब और सशक्त रूप में सामने लाएँगे। हमारे प्रयास न केवल हमारे समाज को नई ऊंचाई देंगे, बल्कि देश को भी विकास की बुलंदी पर लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी इस बात पर विशेष फोकस है कि हमारी शिक्षा, कौशल बढ़ाने वाली होनी चाहिए। भविष्य में मार्केट में कैसी स्किल की डिमांड होगी, फ्यूचर वर्ल्ड में लीड करने के लिए हमारे युवाओं को क्या कुछ चाहिए होगा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्टूडेंट्स को शुरुआत से ही इन ग्लोबल रियलिटीस के लिए तैयार करेगी आज स्किल इंडिया मिशन भी देश की बड़ी प्राथमिकता है। इस मिशन के तहत लाखों युवाओं को अलग अलग कौशल सीखने का अवसर मिला है, वो आत्मनिर्भर बन रहे हैं। नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रोमोशन स्कीम के तहत युवाओं को पढ़ाई के साथ साथ कौशल विकास का अवसर भी मिल रहा है, और उनकी आमदनी भी हो रही है।

अतः अगर हम उपरोक्तत पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मानसिक स्वास्थ्य सर्वोपरि, विद्या, ज्ञान और कौशलता मानवीय आजीविका चलाने के वास्तव में मूल मंत्र हैं। क्योंकि जीवन की प्रगति और आत्मनिर्भर भारत बनाने में यह महत्वपूर्ण रोल अदा कर सकते हैं और इनका महत्वपूर्ण योगदान होगा। क्योंकि पृथ्वी पर बुद्धि क्षमता में सर्वश्रेष्ठ मानव योनि है और उसमें यह तीनों मंत्रों से परिपूर्ण मानव को अपनी आजीविका चलाने, जीवन को प्रगति में ढालने के लिए चिंता नहीं होगी साथ ही आत्मनिर्भर भारत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

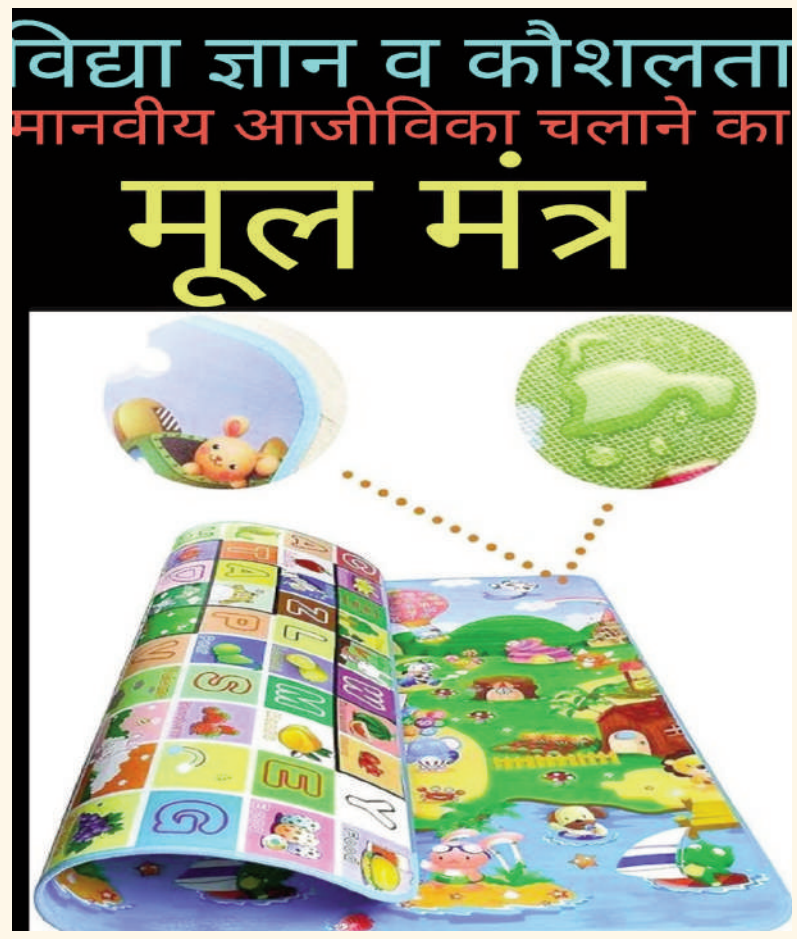

नए रंगरूप में लॉन्च हुई होण्डा यूनिकॉर्न, नया डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल समेत मिले अपेडेटेड फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

होंडा इंडिया ने होंडा यूनिकॉर्न को नए अपडेट्स दिए है। जिसकी वजह से यह बाइक पहले से ज्यादा प्रीमियम हो गई है। साथ ही यह पहले की तरह किफायती भी है। इस बाइक को नए फीचर्स के साथ ही नया डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है। नए अपडेट्स के बाद बाइक की कीमत 119481 रुपये है।

नईदिल्ली। होंडा इंडिया ने Honda Unicorn को नए अपडेट साथ भारतीय बाजार में लॉन्च किया गया है। इस बाइक में नए फीचर्स दिए गए हैं। इसके साथ ही इसमें कई अपडेट भी किए गए हैं, जिसकी वजह से यह पहले से ज्यादा किफायती हो गई है। आइए जानते हैं कि 2025 Honda Unicorn को किन नए खास फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया है।

2025 Honda Unicorn: क्या मिला नया

2025 होंडा यूनिकॉर्न में नया LED हेडलाइट दिया गया है, जो पहले पेश किए गए हैलोजन हेडलाइट की जगह लेता है। वहीं, यह उसके मुकाबले काफी बेहतर भी है। इसमें 162.71cc, एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो अब OBD2B अनुपालक है। इसमें लगा हुआ इंजन 13.18PS की पावर और 14.58Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

नए फीचर्स

नई Honda Unicorn में नया कंसोल स्पीड, फ्यूल-लेवल, टाइम, ट्रिपमीटर और ओडोमीटर रीडआउट जैसे फीचर्स को शामिल किया गया है। कंसोल का लेआउट काफी बेहतरीन है और इसमें लगाया गया नया टैकोमीटर रीडआउट के जुड़ने से सुविधा भी बढ़ जाती है।

इसके साथ ही, इसमें सर्विस ड्यू अलर्ट, साथ ही इको इंडिकेटर जैसी चीजों को शामिल किया गया है। इसमें दिया गया इको इंडिकेटर काफी अच्छी सुविधा है, जो राइडर्स को बाइक इस तरह से चलाने की सुविधा देता है जिससे माइलेत को बढ़ाने में मदद मिलती है।

बाइक में USB टाइप-C चार्जिंग पोर्ट भी दिया गया है। इससे राइडर्स चलते-फिरते अपने फोन को आसानी से चार्ज कर सकते हैं।

कीमत

Honda Unicorn को नए अपडेट मिलने के बाद इसकी अब एक्स-शोरूम कीमत 1,19,481 रुपये है। ऊपर बताए गए अपडेट्स के अलावा बाइक में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। बाइक पहले की तरह ही किफायती 160cc कम्यूटर मोटरसाइकिल है। यह तीन कलर ऑप्शन में उपलब्ध है, जो पर्ल इग्नियस ब्लैक, मैट एक्सिस ग्रे मेटैलिक और रेडिएंट रेड मेटैलिक है। हाल ही में होंडा इंडिया ने अपनी प्रीमियम कम्यूटर बाइक होंडा SP160, एक्टिवा 125 को अपडेटि कया है।

क्या है पुरानी गाड़ियों पर लगाया गया नया GST नियम, जानें कब देना होगा टैक्स और किसे नुकसान

परिवहन विशेष न्यूज

GST काउंसिल की मीटिंग में Used Cars या पुरानी गाड़ियों और EVs की बिक्री पर 18% GST लागू करने का फैसला किया गया है। इस नियम के आने के बाद गाड़ी बेचने वालों के बीच कन्फ्यूजन की स्थिति बन गई है कि उन्हें पुरानी कार बेचने पर हुए नफा-नुकसान पर 18% GST देना पड़ेगा। इस कंफ्यूजन को आसान शब्दों में दूर करने की कोशिश कर रहे हैं।

नईदिल्ली। 21 दिसंबर को 55वीं GST काउंसिल की मीटिंग जैसलमेर राजस्थान में हुई। जिसके बाद से ही कैरेमलाइज्ड पॉपकॉर्न पर बढ़े हुए टैक्स, पुरानी और इस्तेमाल की हुई गाड़ियों पर 18% लगे GST पर लोगों का रिएक्शन देखने के लिए मिला है। GST काउंसिल में सभी पुरानी और इस्तेमाल की हुई गाड़ियों, जिसमें इलेक्ट्रिक कार भी शामिल है, पर एक समान 18% GST लागू करने का फैसला किया गया है। पहले यह अलग-अलग दरों पर लगाया जाता था। तब से मीडिया में यह सुर्खियों का केंद्र है। वहीं, इसपर बहुत से मीम भी बन रहे हैं। बहुत से लोगों को पुरानी कारों पर लगाए गए जीएसटी का ये एलान समझ में नहीं आया है। जिसकी वजह से लोगों में काफी कंफ्यूजन बना हुआ है।

लोगों के मन में उठ रहे सवाल?

पुरानी कार यानी सेकंड हैंड कार पर कितना GST लगाया गया है। इसका असर किस पर असर होगा। वहीं, क्या लोगों को कार बेचने पर GST का भुगतान करना होगा या घाटे में कार बेची तो भी टैक्स देना पड़ेगा। वहीं, यह पुरानी कारों पर लगाए गए नए GST नियम किन लोगों पर लागू होगा? ऐसे सवाल लोगों के मन में धूम रहे हैं। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको सरल भाषा में Used Cars पर लगाए गए नए GST नियम के इस कंफ्यूजन को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं।

पुरानी कारों की बिक्री पर लगा क्या है नया GST नियम?

GST काउंसिल की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि यूज्ड और पुरानी कार पर GST को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18% कर दिया गया है। इसमें 1200cc या उससे अधिक कैपेसिटी, 4000cc या उससे ज्यादा लम्बाई वाली पेट्रोल और डीजल गाड़ियां, 1500cc या उससे ज्यादा इंजन कैपेसिटी वाली कारों को शामिल किया गया है। इन नए नियम को EVS और दूसरी गाड़ियों पर भी लगाया गया है।

किन पर लागू होगा नया नियम?

नया GST नियम उन लोगों पर लागू होगा, जो जीएसटी रजिस्टर्ड यूज्ड कार का बिजनेस करते हैं। सरकार की तरफ से नए नियम को लेकर स्पष्ट करते हुए कहा कि केवल उन लोगों पर नया GST रेट लगाया जाएगा, जो पुरानी या इस्तेमाल किए गए कारों को खरीदने और बेचने का बिजनेस (GST rules for Used Cars Dealers) करते हैं। वहीं, उन्हें GST रजिस्टर्ड होना जरूरी है। जैसे- Used Cars बेचने वाली कंपनियां, Spinny, Car Dekho, Car24 आदि।

आम आदमी पर क्या असर पड़ेगा?

पुरानी गाड़ियों की बिक्री पर लगे नए GST नियम को लेकर सबसे ज्यादा सवाल उठ रहा है तो वह है कि इसका आम आदमी पर क्या असर पड़ेगा। जैसा कि हमने आपको ऊपर बताया कि इन नियम को केवल पुरानी कारों की खरीद और बिक्री का बिजनेस करने वाले लोगों पर ही लागू होगा। जिसकी सीधा मतलब है कि अगर कोई आम नागरिक अपनी यूज्ड कार या पुरानी गाड़ी को बेचता है तो उसपर किसी तरह का कोई GST लागू नहीं (Used Car Margin Tax) होगा। यह सिर्फ बिजनेस पर्पज से बेचने वाले GST रजिस्टर्ड लोगों पर ही 18% का जीएसटी लागू होगा।

क्या लॉस में भी कार बेचने पर लगेगा नया GST नियम?

लोगों के मन में दूसरा सबसे बड़ा सवाल उठ रहा है कि नए GST नियम के तहत पुरानी कार बेचते है और हमें लॉस होता है तो क्या फिर भी 18% जीएसटी देना पड़ेगा। इस सवाल को भी स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि अगर कोई पुरानी कार बिजनेस करने वाला इसे बेचता है और उसे घाटा होता है यानी वह नुकसान सहकर कार बेचा है को उसे जीएसटी नहीं देना पड़ेगा। उसे केवल मुनाफे पर ही जीएसटी देना होगा।

आप इसे इस उदाहरण से भी समझ सकते हैं

मान लीजिए किसी ने 5 लाख रुपये में कार खरीदा और उसे वह अच्छे से मेंटेन करके 6 लाख रुपये में किसी कस्टमर्स को बेच देता है तो उसे उस कार पर 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा। ऐसे में 1 लाख रुपये पर उसे 18% GST देना पड़ेगा, ना कि पूरे 6 लाख रुपये पर। वहीं, अगर वहा 5 लाख रुपये में कार को खरीदता है और उसी को 4 लाख रुपये में बेचता है। इसमें उसे 1 लाख रुपये का नुकसान होगा। जिस पर उसे कोई GST नहीं देना होगा।

खरीदने जा रहे हैं सेकंड हैंड इलेक्ट्रिक कार, इन 4 बातों का रखें ध्यान

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में पेट्रोल-डीजल गाड़ियों से ज्यादा इलेक्ट्रिक कार की डिमांड बढ़ती जा रही है। इलेक्ट्रिक कार की कीमत की वजह से बहुत से लोग इसे लेने का प्लान छोड़ देते हैं लेकिन आप सेकंड हैंड Electric Car ले सकते हैं। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि जब आप इलेक्ट्रिक कार खरीदने जा रहे हैं तो किन बातों का ध्यान रखें।

नईदिल्ली। भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक कारों की डिमांड बढती जा रही है। EV इतनी महंगी ही इतनी ज्यादा है कि हर कोई इन्हें लेना हर कोई नहीं ले सकता है। वहीं, इसकी कीमत को देखकर बहुत से लोग इसे लेने का प्लान ड्रॉप कर देता है। जिसकी वजह से अब पुरानी यानी सेकंड हैंड इलेक्ट्रिक कार की डिमांड भी बढ़ने लगी है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको पुरानी इलेक्ट्रिक कार लेने से पहले किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए, इसके बारे में बता रहे हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

अपनी बजट का रखें ध्यान

आप चाहे इलेक्ट्रिक कार खरीद रहे हो या फिर पेट्रोल-डीजल या सीएनजी गाड़ी। इन्हें लेने के दौरान बजट का ध्यान जरूर रखना चाहिए। सेकंड हैंड कार की कीमत उसकी उम्र, फीचर्स और इलेक्ट्रिक कारों में बैटरी कंडीशन को ध्यान में रखा चाहिए।

इलेक्ट्रिक कार का अहम पार्ट बैटरी

इलेक्ट्रिक कार फुल चार्ज होने के बाद कितना रेंज देगी ये चीज बैटरी की कंडीशन पर निर्भर करता है। ऐसे में पुरानी इलेक्ट्रिक कार लेने के दौरान बैटरी की कंडीशन को जरूर चेक करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि बैटरी हैल्थ सही हो नहीं तो आपको कार खरीदने के बाद उसकी बैटरी को बदलवाने के लिए लाखों रुपये खर्च करना पड़ सकता है।

सर्विस हिस्ट्री चेक करें

बहुत से लोग कार की सर्विस सही समय पर नहीं करवाते हैं, जिसकी वजह से कार की परफॉर्मेंस धीरे-धीरे खराब होने लगती है। ऐसे में आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जिस कार को आप खरीदने जा रहे हैं उस कार की सर्विसिंग टाइम सही समय पर हुई है या फिर नहीं।

लीगल तरीके से करवाएं ओनरशिप ट्रांसफर

आप चाहे इलेक्ट्रिक कार ले रहे हो या फिर पेट्रोल-डीजल गाड़ी, इसके ओनरशिप को ट्रांसफर को लीगल तरीके से करें। कार के सभी पेपरवर्क पूरा हो जैसे कि RC ट्रांसफर आदि। अगर सबकुछ सही तरीके और लीगल तरीके से नहीं हुआ तो कार खरीदने के बाद आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

नई स्कोडा सुपर्ब भारत में मारने जा रही एंट्री, भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में होगी पेश

परिवहन विशेष न्यूज

नई स्कोडा सुपर्ब भारत में जल्द ही पेश होने वाली है। कंपनी Skoda Superb को जनवरी 2025 में होने जा रहे Bharat Mobility Global Expo में पेश करने जा रही है। यह पुरानी मॉडल की तुलना में ज्यादा स्टाइलिश हो सकती है। इसके साथ ही इसे पहली बार हाइब्रिड इंजन से भी लैस किया जा सकता है।

नईदिल्ली। भारत में जल्द ही नई Skoda Superb एंट्री मारने वाली है। इसे अगले महीने होने जा रहे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया जाएगा। इसके साथ ही new Kodiaq और Octavia RS को भी पेश किया जाएगा। चौथी जनरेशन की सुपर्ब को साल 2023 में आखिरी बार ग्लोबल पर पेश किया गया था। आइए जानते है कि नई Skoda Superb में क्या कुछ नया देखने के लिए मिलेगा।

New Skoda Superb: क्या मिलेगा नया

नई सुपर्ब पुरानी मॉडल की तुलना में ज्यादा स्टाइलिश दिखती है। इसके डैशबोर्ड पर स्मार्ट डायल कंट्रोल देखने के लिए मिलेंगे, ठीक वैसे ही जैसा दूसरी पीढ़ी की कोडियाक में देखने के लिए मिला था। इसके डैशबोर्ड पर कुछ फिजिकल बटन भी देखने के लिए मिलेगा, जबकि ज्यादातर फंक्शन नई 13-इंच का इंफोटेनमेंट स्क्रीन भी देखने के लिए मिलेगा, जो आपको नई कोडियाक जैसा ही है।

कैसा है इसका इंजन

नई Skoda Superb में पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन ऑप्शन देखने के लिए मिल सकता है। इसमें 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल मिलने की उम्मीद है, जो 204 hp या 265 hp की पावर जनरेट करेगा। इसके साथ ही इसमें 1.5-लीटर मीड-हाइब्रिड इंजन भी देखने के लिए मिल सकता है। इसके इंजन को सात-स्पीड DCT से जुड़ा हुआ हो सकता है और VW दोनों के D-सेगमेंट मॉडल के लिए आम इंजन है।

पूरी तरह से आयातित के रूप में बेचा जाएगा

चौथी पीढ़ी की Skoda Superb को पूरी तरह से निर्मित यूनिट के रूप में आयात किया जाएगा। इसके पीछे का कारण पिछली जनरेशन की सुपर्ब, जिसे स्थानीय रूप से असेंबल किया गया था। उसे 400 यूनिट की मासिक बिक्री को पार करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। वहीं, इसकी तरफ ग्राहकों आकर्षित करने के लिए कंपनी को मुश्किल हो रही है। वहीं, कंपनी दिसंबर 2024 में इसपर 18 लाख रुपये तक का डिस्काउंट भी दे रही है।

हालांकि, चौथी पीढ़ी की सुपर्ब को पूरी तरह से निर्मित यूनिट के रूप में आयात किया जाएगा। इसमें भारतीय परिस्थितियों को देखते हुए कुछ बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं, जैसे ADAS फीचर। कंपनी डीजल वाली गाड़ियां पसंद करने वाले लोगों के लिए इसे CBU रूट के माध्यम से सुपर्ब डीजल को वापस ला सकता है।

2025 में लॉन्च हो सकती है फॉक्सवैगन और स्कोडा की ये Cars, लिस्ट में नई कोडिएक और टाइगुन शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

Volkswagen Skoda 2025 साल 2025 में Volkswagen और Skoda भारतीय बाजार में कई नई गाड़ियां लाने का प्लान बना रहे हैं। इसमें नई एसयूवी सेडान और इलेक्ट्रिक कार तक शामिल है। स्कोडा के नए इलेक्ट्रिक करों के लॉन्च से भारतीय ऑटो बाजार में नया मोड़ देखने के लिए मिल सकता है। आइए जानके हैं कि Volkswagen और Skoda भारतीय बाजार में कौन-सी गाड़ियां लॉन्च कर सकते हैं।

नईदिल्ली। नया साल 2025 भारतीय ऑटो बाजार के लिए काफी रोमांचक होने वाला है, खासकर Volkswagen और Skoda के लिए। यह दोनों कंपनियां साल 2025 में भारतीय बाजार में अपनी कुछ नई और अपडेटेड कारों को लेकर आने वाली है। इसमें नई जनरेशन की स्कोडा ऑक्टेविया आरएस, नई वोक्सवैगन टिगुआन, नई स्कोडा कोडियाक और कुछ इलेक्ट्रिक कार शामिल है। आईए जानते हैं कि साल 2025 में Volkswagen और Skoda की कौन सी गाड़ियां लॉन्च हो सकती है।

1. New Skoda Octavia RS

लॉन्च की तारीखः 17 जनवरी 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 45 लाख रुपये

साल 2025 में भारत में आने वाली सबसे अनुमानित कारों में से एक नई Skoda Octavia है। इसका नए वर्जन ग्लोबल बाजार में पहले से ही मौजूद है। इसमें स्पोर्टी डिजाइन, नए फीचर्स और अपडेटेड पावरट्रेन मिल सकता है। इसमें 2.0-लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन के लिए मिल सकता है, जो 265 PS की पावर और 370 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा।

2. New Skoda Superb

लॉन्च की तारीखः जनवरी 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 40 लाख रुपये

नई स्कोडा सुपर्ब साल 2023 के अंत में ग्लोबल बाजार में पेश हुई थी और इसे ही 2025 में लॉन्च किया जा सकता गै। इसमें नया डिजाइन, प्रीमियम इंटीरियर्स और लेवल 2 ADAS जैसे नए फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं। इसमें 2.0-लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिल सकता है, जो 190 PS की पावर और 320 Nm टॉर्क जनरेट करेगा।

3. New Skoda Kodiaq

लॉन्च की तारीखः मार्च 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 40-44 लाख रुपये

इसे भारतीय ग्राहकों के बीच प्रीमियम और भरोसेमंद SUV के रूप में जाना जाता है। नई जनरेशन कोडियाक पहले से बड़ी और अट्रैक्टिव दिखती है। इसके इंटीरियर में कुछ बदलाव देखने के लिए मिल सकता है, जिसकी वजह से यह पहले से ज्यादा प्रीमियम महसूस होगी। इसे 2.0-लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जा सकता है, जो 90 PS की पावर और 320 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा।

4. New Skoda Enyaq

लॉन्च की तारीखः 2025 के अंत तक

एक्सपेक्टेड कीमतः 45 लाख रुपये

Skoda Enyaq पूरी तरह से इलेक्ट्रिक SUV है, जिसे पहले ही ग्लोबल बाजार में लाया जा चुका है। इसे भारतीय बाजार में लॉन्च करने में थोड़ा समय लग सकता है। इसकी रेंज 379 km से लेकर 566 km तक हो सकती है। इसके नए जनरेशन को भारतीय बाजार में लाया जा सकता है।

5. New Skoda Elroq

लॉन्च की तारीखः 2025 के अंत तक

एक्सपेक्टेड कीमतः 35 लाख रुपये

कंपनी की यह एक नई इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जो भारतीय बाजार में स्कोडा के इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को और भी मजबूत करेगी। इसमें 55 kWh, 63 kWh और 82 kWh बैटरी पैक के तीन बैटरी ऑप्शन देखने के लिए मिल सकते हैं। इसकी रेंज 370 km से लेकर 560 km तक हो सकती है।

6. New Volkswagen Tiguan

लॉन्च की तारीखः सितंबर 2025

एक्सपेक्टेड कीमतः 37-39 लाख रुपये

नई Volkswagen Tiguan को सितंबर 2023 में ग्लोबल बाजार में डेब्यू किया था और इसे साल 2025 में भारत में लॉन्च किया जा सकता है। नई टिगुआन को नए डिजाइन के साथ ही नए इंटीरियर्स के साथ लाया जा सकता है। भारतीय बाजार में इसे 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ लॉन्च किया जा सकता है, जो 190 PS की पावर और 320 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

7. Volkswagen Taigun और Virtus अपडेटेड मॉडल

लॉन्च की तारीखः 2025 साल के अंत तक

Volkswagen Taigun और Virtus को साल 2025 में अपडेट दिया जा सकता है। इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर के डिजाइन में थोड़े बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं। जिसमें नए कलर स्कीम के साथ ही फीचर्स भी शामिल हो सकते हैं।

भारत में शिक्षा का एक नया पन्ना खुल रहा है

विजय गर्ग

भारत की शिक्षा प्रणाली में गंभीर कमियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा संबोधित किया गया है। वैश्विक मानकों तक पहुंचने के लिए, इसे अक्षरशः लागू किया जाना चाहिए भारत शैक्षिक उत्कृष्टता की एक गौरवशाली विरासत का दावा करता है, जो नालंदा और तक्षशिला के प्राचीन संस्थानों की याद दिलाती है। आज भी, यह दुनिया के सबसे बड़े शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है, जिसमें लगभग 1.5 मिलियन स्कूल, 40,000 से अधिक कॉलेज और 1,000 से अधिक विश्वविद्यालय शामिल हैं, जो कुल मिलाकर लगभग 300 मिलियन छात्रों को सेवा प्रदान करते हैं। हालाँकि, यह मात्रात्मक लाभ गुणात्मक सफलता में परिवर्तित नहीं हुआ है। उदाहरण के लिए, जबकि भारत प्राथमिक शिक्षा के लिए 108 प्रतिशत के सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) का दावा करता है (यह 100 प्रतिशत से अधिक क्यों है इसके लिए संलग्न ग्राफ़िक की जाँच करें), माध्यमिक शिक्षा के लिए यह लगभग 79 प्रतिशत तक गिर जाता है। इसके विपरीत, चीन प्राथमिक शिक्षा के लिए 100 प्रतिशत और माध्यमिक शिक्षा के लिए 89 प्रतिशत जीईआर बनाए रखता है, जो बेहतर छात्र प्रतिधारण को दर्शाता है। उच्च शिक्षा के लिए भारत का जीईआर और भी निराशाजनक है, जो 27.1 प्रतिशत पर है, यह आंकड़ा चीन का आधा है और अमेरिका के प्रभावशाली 88 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। फ़िनलैंड और दक्षिण कोरिया जैसी अनुकरणीय शिक्षा प्रणालियाँ सभी स्कूल स्तरों पर लगभग 100 प्रतिशत GER हासिल करती हैं। यदि ये आँकड़े शैक्षिक पहुँच में पर्याप्त अंतर को उजागर करते हैं, तो सीखने के परिणामों की गुणवत्ता और भी अधिक चिंताजनक है। शिक्षा मंत्रालय के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) से पता चला कि पांचवीं कक्षा के केवल 45 प्रतिशत छात्र दूसरी कक्षा के स्तर पर पढ़ सकते हैं। इसी तरह, 2023 की वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) में पाया गया कि 14-18 आयु वर्ग के एक-चौथाई ग्रामीण छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषा में दूसरी कक्षा के स्तर का पाठ धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं। उच्च शिक्षा में, विस्तारित पारिस्थितिकी तंत्र के बावजूद, कुछ संस्थान वैश्विक रैंकिंग में सम्मानजनक स्थान हासिल कर पाते हैं। जहां अमेरिका और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों का दबदबा है, वहीं चीनी संस्थान तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह असमानता आश्चर्यजनक नहीं है, अनुसंधान उत्पादन में भारत के पिछड़ेपन को देखते हुए, उच्च शिक्षा के भीतर अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) में देश के सकल घरेलू उत्पाद के 1 प्रतिशत से भी कम निवेश के कारण यह और भी बढ़ गया है। इसके विपरीत, अमेरिका अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 3 प्रतिशत अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटित करता है, और चीन 2 प्रतिशत से अधिक निवेश करता है, जिससे उसके वैश्विक अनुसंधान उत्पादन और नवाचार में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। हालाँकि भारत से शोध प्रकाशनों में वृद्धि हुई है, लेकिन उनका प्रभाव और उद्धरण सूचकांक कम बना हुआ है। कौशल प्रशिक्षण में भी स्थिति उतनी ही परेशान करने वाली है, जहां भारत के कार्यबल का मात्र 4 प्रतिशत ही व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करता है। यह चीन के 24 प्रतिशत और जर्मनी तथा स्विट्जरलैंड में देखे गए 75 प्रतिशत से बिल्कुल विपरीत है। इसके अलावा, भारतीय स्नातकों की रोजगार योग्यता दर लगभग 48.7 प्रतिशत है, जिससे पता चलता है कि आधे से अधिक स्नातकों में नौकरी बाजार के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। एनईपी दर्ज करें हमारे यहां दुनिया की सबसे बड़ी आबादी 10 से 24 साल के बीच की है। इस जनसांख्यिकीय लाभांश को प्राप्त करने और ज्ञान अर्थव्यवस्था में अवसरों को भुनाने के लिए शिक्षा और कौशल विकास को पुनर्जीवित करना बिल्कुल महत्वपूर्ण है। ठीक इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का मसौदा तैयार किया गया था। एनईपी भारतीय शैक्षिक ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव करता है, जिसमें 10+2 संरचना को 5+3+3+4 मॉडल के साथ प्रतिस्थापित किया जाता है जो शैक्षिक चरणों को विकासात्मक चरणों - मूलभूत (आयु 3-8) के साथ संरेखित करता है।प्रारंभिक (उम्र 8-11), मध्य (11-14), और माध्यमिक (14-18)। यह गहन समझ को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम की सामग्री को मुख्य अनिवार्यताओं तक कम करके अनुभवात्मक शिक्षा और आलोचनात्मक सोच पर जोर देता है। नीति का लक्ष्य 2030 तक प्रीस्कूल से माध्यमिक स्तर तक 100 प्रतिशत जीईआर का लक्ष्य है, जिसमें ड्रॉपआउट को फिर से शामिल करने के लिए विशेष पहल शामिल है। उच्च शिक्षा में, एनईपी अंतर-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बड़े, बहु-विषयक और अनुसंधान-केंद्रित संस्थानों में परिवर्तन की वकालत करता है, जिसका लक्ष्य हर जिले में कम से कम एक ऐसा संस्थान स्थापित करना है। इसके अतिरिक्त, नीति संस्थानों के लिए अधिक स्वायत्तता का आह्वान करती है और व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए उद्योग के साथ सहयोग बढ़ाने को प्रोत्साहित करती है। नीति का उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करना है, जिसका लक्ष्य 2025 तक कम से कम 50 प्रतिशत शिक्षार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण से परिचित कराना है। कार्यान्वयन में शैतान हालाँकि, जैसा कि पिछले चार वर्षों से पता चला है, इस व्यापक नीति का राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन चुनौतियों से भरा एक बड़ा काम है। जबकि एनईपी केंद्र सरकार द्वारा तैयार किया गया था, इसका सफल कार्यान्वयन काफी हद तक सक्रिय राज्य सहयोग पर निर्भर करता है। कई विपक्षी शासित राज्यों ने एनईपी के प्रमुख प्रावधानों और उनके कार्यान्वयन पर कड़ी आपत्ति जताई है। केंद्र को इन पहलों को लागू करने के लिए सहकारी संघवाद और विकेंद्रीकरण के सिद्धांतों पर काम करना चाहिए। बजट आवंटन एक और चुनौती है. एनईपी 2020 अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षा पर खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत तक बढ़ाने की सिफारिश करता है। हालाँकि, केंद्र और राज्यों द्वारा शिक्षा पर भारत का सार्वजनिक व्यय कभी भी सकल घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं रहा है। इस व्यापक कार्यक्रम को लागू करने के लिए इस फंडिंग अंतर को पाटना महत्वपूर्ण है। कई स्कूल और कॉलेज बुनियादी ढांचे की समस्याओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करते हैं। केवल ईंट-और-मोर्टार जोड़ने के बजाय, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना और डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार करना आवश्यक है। भारत को अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप एक विश्व स्तरीय ऑनलाइन शिक्षा मॉडल की आवश्यकता है, जिसमें स्वयं और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन आगे की चुनौती वहां भी बड़ी है; उदाहरण के लिए, भारत में 53 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर की कमी है, और 66 प्रतिशत में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी है। जबकि एनईपी अनुसंधान उत्पादन में सुधार पर जोर देती है, न तो केंद्र और न ही राज्यों ने अनुसंधान के लिए धन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए उद्योग के साथ सहयोग को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एनईपी एक अधिक शिक्षार्थी-केंद्रित संस्कृति की कल्पना करता है, जिसके लिए छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों के बीच मानसिकता में महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है। इस परिवर्तन में समावेशी शिक्षण और सीखने के तरीकों को अपनाना शामिल है। परिणामस्वरूप, इन मांगों को पूरा करने के लिए शिक्षकों को नए कौशल में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर, छात्रों को भविष्य की मांगों के लिए तैयार करने में एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर आम सहमति बढ़ रही है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में दुनिया भर में एसटीईएम स्नातकों की संख्या सबसे अधिक है, जिसमें 34 प्रतिशत स्नातक एसटीईएम क्षेत्रों से आते हैं। प्रभावशाली बात यह है कि उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक महिलाएँ हैं। हालाँकि, इनमें से कई स्नातकों के पास भविष्य की नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। एनईपी छात्रों की आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान कौशल और नवाचार को बढ़ाने के लिए एसटीईएम शिक्षा को पाठ्यक्रम में एकीकृत करने पर जोर देता है। इस कौशल अंतर को संबोधित करने की कुंजी व्यावहारिक सहायता प्रदान करने में निहित है n सीखने के अनुभव और आधुनिक प्रौद्योगिकी से परिचित होना। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) का अनुमान है कि भारत में कौशल प्रशिक्षण में सुधार से 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में 1 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हो सकता है। कौशल मिशन पिछले महीने केंद्रीय बजट में मोदी सरकार ने कौशल विकास की समस्या को गंभीरता से लिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पांच प्रमुख रोजगार-संबंधी योजनाओं के 'प्रधानमंत्री पैकेज' की घोषणा की, जिसमें 41 मिलियन युवाओं को रोजगार और कौशल प्रदान करने के लिए पांच वर्षों में 2 लाख करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी परिव्यय था। इनमें से दो बड़ी योजनाएं कौशल पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनमें से सबसे महत्वाकांक्षी योजना पांच वर्षों में 10 मिलियन युवाओं के लिए 500 शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर स्थापित करना है। 21 से 24 वर्ष की आयु के युवा, जो न तो नौकरीपेशा हैं और न ही पूर्णकालिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, आवेदन कर सकते हैं। इस योजना में 5,000 रुपये का मासिक इंटर्नशिप भत्ता शामिल है; पांच वर्षों में कुल लागत 63,000 करोड़ रुपये है। कौशल पर अन्य प्रमुख पहल हब और स्पोक मॉडल का उपयोग करके 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को अपग्रेड करने और कौशल अंतर को दूर करने के लिए उद्योग की जरूरतों के साथ उनकी पाठ्यक्रम सामग्री को संरेखित करने की योजना है। इस योजना में 200 हब और 800 स्पोकन आईटीआई विकसित करना शामिल है, जिसमें पांच वर्षों में कुल 60,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। केंद्र सरकार 30,000 करोड़ रुपये, राज्य सरकारें 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग (सीएसआर फंड सहित) 10,000 करोड़ रुपये का योगदान देगा। ये और अन्य पहलें भारत को शिक्षा के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने, देश के विकास और नवाचार को चलाने के लिए कौशल और ज्ञान से सुसज्जित पीढ़ी का पोषण करने का वादा करती हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

विभिन्न संस्कृतियों और युगों में: अप्रत्याशित मित्रता की सुंदरता

विजय गर्ग

अधेड़ उम्र में सार्थक दोस्ती बनाने की अप्रत्याशित खुशी इस आम धारणा को झुठलाती है कि संबंध बनाने के सर्वोत्तम अवसर हमारे पीछे हैं आपकी टोपी शानदार है. यह आपको हममें से किसी से भी अधिक बवेरियन दिखाता है, जब मैं दक्षिणी जर्मनी के एक रिसॉर्ट में कॉफी-और-केक कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कर रहा था, तो दरबान ने चुटकी ली। हालाँकि वह सच बता रहा था - मेरे न तो सुनहरे बाल हैं और न ही नीली आँखें - मैंने शर्मीली मुस्कान के साथ तारीफ स्वीकार कर ली। ₹डैंके शॉन,₹ मैंने अपनी ऊनी टोपी ऊपर उठाते हुए कहा। तभी, एक अन्य अतिथि ने नाजुक हस्तनिर्मित एडलवाइस फूल की ओर इशारा करते हुए टिप्पणी की, ₹यह आपकी टोपी पर एक सुंदर पिन है।₹ मेरे दोस्तों, वोल्फगैंग और एमिली की ओर से एक अनमोल उपहार, पिन उस दोस्ती का प्रतीक है जो सिर्फ एक साल पहले इसी बवेरियन शहर श्लियर्सी में शुरू हुई थी। वुल्फगैंग्स - एक सुंदर, गर्मजोशी से भरा जोड़ा - मध्य आयु में की गई दोस्ती की अप्रत्याशित खुशी का प्रमाण है। हमारा बंधन साझा बचपन या दशकों के इतिहास से शुरू नहीं हुआ बल्कि एक साधारण ₹हैलो₹ और खुले दिल से शुरू हुआ। हमारे संबंध की मामूली उत्पत्ति और पिछले वर्ष में यह जिस तरह से विकसित हुआ, वह इस धारणा को खारिज करता है कि सार्थक दोस्ती युवाओं के लिए आरक्षित है। शाम की सैर के दौरान हमारे रास्ते अचानक से पार हो गए। खुशियों का आकस्मिक आदान-प्रदान जीवन, संस्कृति और साझा हितों के बारे में गहरी बातचीत में विकसित हुआ। अल्पाइन ग्रामीण इलाकों में विनम्र बातचीत के रूप में जो शुरू हुआ वह

निर्देशांक के आदान-प्रदान के साथ समाप्त हुआ और यह बाद के महीनों में टेक्स्टिंग के साथ जारी रहा। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि हम अपने प्रारंभिक वर्षों में जो दोस्त बनाते हैं वे वही बने रहते हैं, जबकि बाद में जीवन में जो दोस्त बनते हैं वे क्षणभंगुर, सतही या आवश्यकता से प्रेरित होते हैं। इस विश्वास में कुछ सच्चाई हो सकती है; वयस्कता अपने साथ दायित्व, संदेह और सावधानी लेकर आती है। हम अपना विस्तार करने में सतर्क हो जाते हैं। युवा सौहार्द की मासूमियत संरक्षित बातचीत का मार्ग प्रशस्त करती है, और हम खुद को आश्वस्त करते हैं कि गहरी दोस्ती की खिड़की बंद हो गई है। फिर भी, वोल्फगैंग्स मुझे याद दिलाते हैं कि यह खिड़की सीलबंद नहीं है - इसे खोलने के लिए बस थोड़ा और प्रयास करना पड़ता है। अधेड़ उम्र में बनी दोस्ती हमारे जीवन के अनुभवों के बावजूद खास नहीं होती, बल्कि उनकी वजह से खास होती है। हम इन संबंधों में आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और प्रशंसा की गहरी भावना लाते हैं। प्रभावित करने या अनुरूप बनने की कोई जल्दी नहीं है। युवा पहचान-निर्माण का दबाव ख़त्म हो गया है। उनके स्थान पर, हम ईमानदारी, प्रामाणिकता और लोगों को उनके वास्तविक रूप में महत्व देने की इच्छा पाते हैं। वे हमें मानवीय गर्मजोशी और जिज्ञासा की सार्वभौमिकता की याद दिलाते हैं। दूसरे देश के किसी व्यक्ति से मिलना - किसी ऐसे व्यक्ति से मिलना जिसका जीवन, परंपराएं और भाषा अलग हैं - एक पूरी तरह से नई दुनिया की खोज करने जैसा महसूस हो सकता है। और जब ऐसी मुलाकातें सच्ची दोस्ती की ओर ले जाती हैं, तो वे उन अदृश्य दीवारों को तोड़ देती हैं जो भूगोल और संस्कृति अक्सर हमारे चारों ओर बनाती हैं। इन संबंधों की मंशा में भी गहरा आनंद है। हमारे युवा वर्षों में, दोस्ती अक्सर निकटता से पैदा होती है - सहपाठी, पड़ोसी, या कॉलेज रूममेट। वयस्कों के रूप में, दोस्ती के लिए जानबूझकर प्रयास की आवश्यकता होती है। यह जानबूझकर मध्यम आयु वर्ग की दोस्ती को गहराई और लचीलेपन से भर देता है जो हमारे युवाओं के बंधन से भी अधिक फायदेमंद हो सकता है। मैं अपनी टोपी पर लगे पिन के बारे में सोचता हूं - वह नाजुक एडलवाइस - और मैं इसे इस प्रकार की मित्रता के लिए एक रूपक के रूप में देखता हूं। एडलवाइस, एक दुर्लभ अल्पाइन फूल, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पनपता है। यह साहस का प्रतीक है, भक्ति, और नई ऊंचाइयों पर चढ़ने की इच्छा। फूल की तरह, अधेड़ उम्र में की गई दोस्ती को विकसित करने में अधिक मेहनत लग सकती है, लेकिन वे दृढ़, लचीली और कीमती होती हैं। उस पहली मुलाकात के एक साल बाद, मैंने खुद को पिछले महीने एक बार फिर श्लियर्सी में पाया, वोल्फगैंग्स के साथ कॉफी और केक साझा करते हुए, हमारी भाषा संबंधी भूलों और सांस्कृतिक विचित्रताओं पर हंसते हुए। दोस्त बनाने में कभी देर नहीं होती.

मूल्यांकन का पैमाना

विजय गर्ग

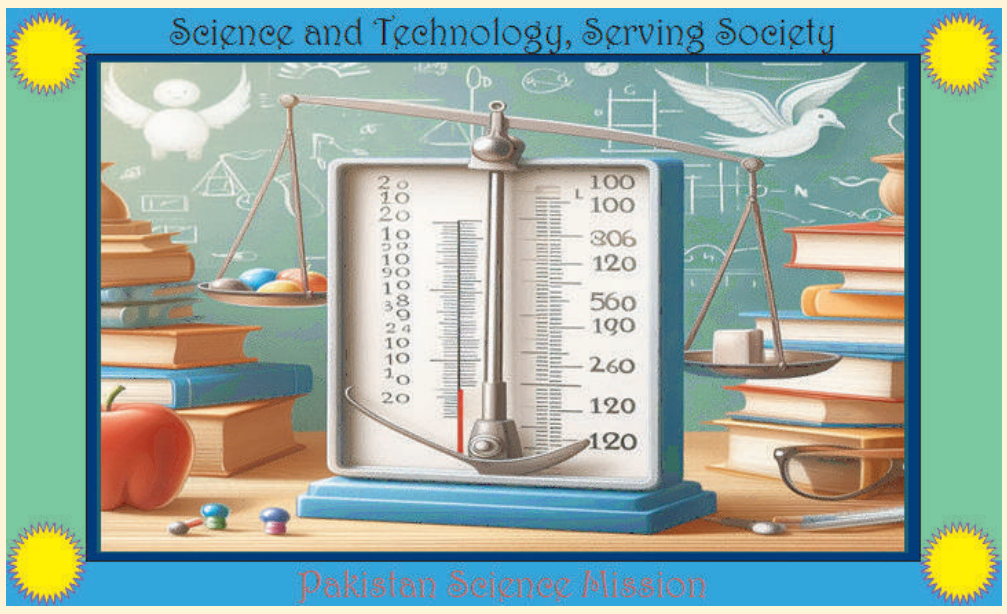

भारत में यह एक आम साझा अनुभव है कि लोगों को उनके वयस्क होने और वृद्धावस्था तक स्कूली परीक्षा से जुड़े बुरे सपने आते रहते हैं। अक्सर लोग अपने स्कूली जीवन के अनुभव के किस्से सुनाते मिल जाएंगे। बहुधा ऐसी यादें या ऐसे सपने किसी परीक्षा को याद करने या फिर उसके छूट जाने, उसमें असफल होने या तैयारी अधूरी होने से जुड़े होते हैं। यह कोई एकाकी और सामान्य घटना नहीं है, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली और समाज में गहराई तक जड़ें जमाए उन मूल्यों और दबावों का प्रतिबिंब है, जो बचपन से ही हमारे मस्तिष्क पर हावी रहते हैं। ऐसे सपने अनिश्चितता, तनाव और असहायता की गहरी भावना के साथ आते हैं। किसी व्यक्ति को लगता है कि वह समाज की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर रहा है, तो यह असुरक्षा उसके सपनों में भी प्रकट होती है । यों भी सपनों का सिरा हमारे अवचेतन से जुड़ा माना जाता रहा है।

हमारी शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह सीखने के बजाय परीक्षा के नतीजों में हासिल किए गए अंकों को अधिक महत्त्व देती है । परीक्षा का उद्देश्य जहां विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास और उनकी क्षमताओं का आकलन करना होना चाहिए, वहीं यह केवल प्रतिस्पर्धा का पर्याय बनकर रह गया है। हर विद्यार्थी को बचपन से सिखाया जाता है कि जीवन में सफल होने का एकमात्र मार्ग परीक्षा में प्राप्त किए गए 'अच्छे अंक' हैं। यह मानसिकता शिक्षा का मूल उद्देश्य विकृत करती है। और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती है। एक बार परीक्षा की तैयारी और प्रदर्शन का दबाव मस्तिष्क पर छा जाए, तो उसका प्रभाव जीवन भर चस्पां रहता है।

इस स्थिति को बदलने के लिए सबसे जरूरी शिक्षा के मूल उद्देश्य को समझना है। शिक्षा जीवन को बेहतर ढंग से समझने और जीने की कला सिखाने का माध्यम है। परीक्षा प्रणाली में सुधार करते हुए इसका स्वरूप कुछ इस तरह तैयार करना चाहिए कि यह विद्यार्थियों की समझ और सोचने की क्षमता का आकलन करे, न कि केवल रट्टा मारकर याद की गई जानकारी का । हमें ऐसे मापदंडों और आकलन प्रणाली की आवश्यकता है जो विद्यार्थियों की आपस में तुलना न करे, कम से कम माध्यमिक स्तर तक । परीक्षा में हासिल किए गए अंक और तुलना पर आधारित आकलन विद्यार्थियों के मन- मस्तिष्क और फिर समूचे व्यक्तित्व पर क्या असर डालता है, यह अब छिपा तथ्य नहीं है ।

पारंपरिक लिखित परीक्षाओं के स्थान पर वैकल्पिक पद्धतियों, जैसे प्रोजेक्ट से जुड़े कार्य, किताब के साथ परीक्षा, समूह चर्चा और प्रस्तुति की पद्धति को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल और सोचने की क्षमता विकसित करने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों को एक परीक्षा में नाकाम होने पर बार-बार मौका मिलना चाहिए । 'मांग आधारित परीक्षा' जैसी प्रणालियां, जहां विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा दे सकें, परीक्षा के दबाव को काफी हद तक कम कर सकती है। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बरकरार रहता है। परीक्षा में उन सवालों को शामिल किया जाना चाहिए, जिनके एक से अधिक उत्तर हो सकते। ऐसे सवाल विद्यार्थियों को अपने विचारों को व्यक्त करने और अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर देंगे। इससे रट्टा मारकर पढ़ने की प्रवृत्ति भी कम होगी।

यह अपने आप ही स्पष्ट माना जाना चाहिए कि इन सुधारों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए शिक्षकों का अच्छी तरह से भुगतान अति अनिवार्य है, क्योंकि यह बेहतर कार्य के लिए एक प्रेरक तत्त्व का काम करता है। साथ ही, उन्हें पर्याप्त वक्त और सुविधा भी मुहैया होना चाहिए, क्योंकि रचनात्मक कार्यों के लिए भरपूर मेहनत और समय की जरूरत होती है ।

शिक्षा तंत्र के अतिरिक्त समस्या अभिभावक और समाज की सोच में भी है। बच्चों को अक्सर अपनी इच्छाओं के विरुद्ध समाज की अपेक्षाओं के अनुसार ढलने के लिए मजबूर किया जाता है। परीक्षा की तैयारी में 'क्या सीख रहे हैं' से अधिक 'कैसे अच्छा प्रदर्शन करें' पर जोर दिया जाता है। यह रवैया बच्चों के लिए परीक्षा को एक डरावने अनुभव में बदल देता है । उनके अंदर यह डर बैठ जाता है कि असफलता का मतलब व्यक्तिगत नुकसान से बढ़कर परिवार और समाज की उम्मीदों पर भी चोट है। इसलिए भले ही व्यक्ति वास्तविक जीवन में सफल हो जाए, परीक्षा से जुड़ा यह डर और असुरक्षा उसके मन के किसी कोने में बने रहते हैं । माता-पिता और शिक्षकों को भी बच्चों के साथ सहानुभूति और समझदारी से पेश आना चाहिए। उन्हें चाहिए कि वे अपने बच्चों के प्रति अपेक्षाओं को यथार्थवादी बनाएं। प्रयासों को परिणामों से अधिक सराहें। बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि जीवन महज एक परीक्षा से बहुत बड़ा है और असफलता भी सीखने का एक हिस्सा है। साथ ही, उनसे संवाद कर बचपन से मानसिक स्वास्थ्य का महत्त्व सिखाए और परीक्षा के तनाव से निपटने के तरीके बताए जाने चाहिए ।

अगर शिक्षा प्रणाली के मूल में सर्वांगीण विकास और नैतिक जिम्मेदारी की भावना समाहित हो, तो परीक्षा बोझ के बजाय सीखने की यात्रा बन जाएगी। मन के भीतर दबी वह घुटन, जो बात-बेबात उनींदी रातों को परीक्षा की मेज पर खींच लाती थी, विलीन हो जाएगी। तब जाकर बुरे सपने धुंधलाएंगे और इन आंखों में सुंदर सपनों के लिए जगह बनेगी।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

प्रौद्योगिकी, कानून और मानवाधिकारों के अंतर्संबंध को नेविगेट करना

विजय गर्ग

डिजिटल प्रौद्योगिकियों द्वारा तेजी से आकार ले रही दुनिया में, 'डिजिटल गिरफ्तारी' की अवधारणा साइबरस्पेस में एक विवादास्पद उपकरण के रूप में उभरी है 'डिजिटल अरेस्ट' शब्द को अक्सर ऑनलाइन तंत्र के माध्यम से व्यक्तियों पर प्रतिबंध, निगरानी या गिरफ्तारी के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो पारंपरिक कानूनी प्रणालियों की सीमाओं से परे साइबरस्पेस में कार्यों को शामिल करता है, जैसे कि डिजिटल संपत्ति को फ्रीज करना, ऑनलाइन खातों को ब्लॉक करना, या पहुंच को सीमित करना। कुछ प्लेटफ़ॉर्म या आभासी या ऑनलाइन वातावरण में व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करना।

जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी जीवन के हर पहलू में प्रवेश करती है, डिजिटल गिरफ्तारी के निहितार्थ और भी अधिक बढ़ गए हैं, जो रैंसमवेयर समूहों, हैकिंग कलेक्टिव्स और अवैध गतिविधियों के लिए ऑनलाइन मार्केटप्लेस जैसे संचालन को खत्म करने में शासन, सुरक्षा और व्यक्तिगत अधिकारों में अवसर और चुनौतियां दोनों प्रदान करता है।

उदाहरण के लिए, अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के कारण सिल्क रोड जैसे डार्क वेब प्लेटफ़ॉर्म बंद हो गए हैं और उनके ऑपरेटरों की आशंका बढ़ गई है। इसके अलावा, क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल वित्तीय संपत्तियों ने डिजिटल गिरफ्तारी के नए रूप लाए हैं, जहां सरकारें या एजेंसियां आपराधिक गतिविधियों से जुड़े डिजिटल वॉलेट को फ्रीज कर देती हैं, जिससे धन के अवैध प्रवाह को रोका जा सकता है और वैश्विक वित्तीय नियमों का समर्थन किया जा सकता है।

जबकि अवधारणा अभी भी विकसित हो रही है, डिजिटल गिरफ्तारी में साइबर सुरक्षा, कानूनी ढांचे और अत्यधिक डिजिटलीकृत दुनिया में रहने के सामाजिक परिणामों के पहलू शामिल हैं।

इसके मूल में, इस प्रकार की गिरफ्तारी में प्रतिबंधों को लागू करने या डिजिटल क्षेत्र में की गई कार्रवाइयों को दंडित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना शामिल है। विभिन्न सरकारी एजेंसियां, निगम और यहां तक कि व्यक्तिगत उपयोगकर्ता भी डिजिटल गिरफ्तारी जैसे कृत्यों में भाग ले सकते हैं, साइबरस्पेस में प्राधिकरण, शक्ति गतिशीलता और जवाबदेही के बारे में सवाल उठा सकते हैं।

डिजिटल युग में सुरक्षा और व्यक्तिगत अधिकारों को संतुलित करने के लिए, डिजिटल गिरफ्तारी के दायरे को परिभाषित करने वाले पारदर्शी और लागू करने योग्य नियम स्थापित करने जैसे उपाय करना; जवाबदेही सुनिश्चित करने और दुरुपयोग को रोकने के लिए डिजिटल गिरफ्तारी तंत्र के उपयोग की निगरानी करना; न्यायक्षेत्रों में निष्पक्षता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सार्वभौमिक दिशानिर्देश विकसित करना और सबसे महत्वपूर्ण रूप से डिजिटल अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना व्यक्तियों को डिजिटल दुनिया में प्रभावी ढंग से और सुरक्षित रूप से जुड़ने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस कर सकता है।

जैसे-जैसे डिजिटल दुनिया विकसित होती जा रही है, वैसे-वैसे प्रवर्तन और प्रतिरोध के तरीके भी विकसित होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्लॉकचेन जैसी नई प्रौद्योगिकियां डिजिटल गिरफ्तारियों को अंजाम देने और चुनौती देने के तरीके को प्रभावित कर सकती हैं।

प्रवर्तन में पारदर्शिता, अपील करने का अधिकार और नैतिक मानकों पर वैश्विक सहयोग एक न्यायपूर्ण डिजिटल समाज बनाने के लिए आवश्यक कदम हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि डिजिटल गिरफ्तारी डिजिटल युग में प्रौद्योगिकी, कानून और मानवाधिकारों के प्रतिच्छेदन का प्रतिनिधित्व करती है। हालाँकि यह व्यवस्था लागू करने और अपराध से निपटने के लिए उपकरण प्रदान करता है, लेकिन यह स्वतंत्रता और गोपनीयता के लिए जोखिम भी पैदा करता है।

जैसे-जैसे समाज डिजिटल बुनियादी ढांचे पर अधिक निर्भर होता जा रहा है, डिजिटल गिरफ्तारी की अवधारणा संभवतः विकसित होती रहेगी,

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

भविष्य को लेकर भारतीयों की उम्मीदें सातवें आसमान पर, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत

परिवहन विशेष न्यूज

10 में से छह भारतीयों का मानना है कि अगले पांच वर्ष में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और कम से पांच नए क्षेत्रों में ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब के तौर पर उभरेगा। तभी तो आधे से अधिक देशवासियों को उम्मीद है कि भारत अगले कुछ वर्षों में बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगा। पांच वर्ष में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

नई दिल्ली। देश की तेजी से हो रही चहुंमुखी तरक्की और केंद्र सरकार की निर्णायक नीतियों पर देशवासियों को इतना भरोसा है कि वे कल के भारत की सुनहरी तस्वीर का अक्स अपने दिलोदिमाग में बसा चुके हैं। तभी तो आधे से अधिक देशवासियों को उम्मीद है कि भारत अगले कुछ वर्षों में बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगा।

भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

10 में से छह भारतीयों का मानना है कि अगले पांच वर्ष में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और कम से पांच नए क्षेत्रों में ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब के तौर पर उभरेगा। लोकल सर्कल्स द्वारा किए गए पीआरसीएआइ भारत की बात सर्वे 2024 के अनुसार 45 प्रतिशत देशवासियों को लगता है कि भारत ऊंची आर्थिक विकास दर हासिल करते हुए एक करोड़ नई नौकरियां और रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ अपना निर्यात दोगुना करने में भी कामयाब होगा।

भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग कर रहा है

भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग कर रहा है और उसका कहना है कि उसे सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। सर्वे के अनुसार 10 में से आठ भारतीयों को मानना है कि भारत अगले पांच वर्ष में संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता हासिल कर सकता है।

भारत विश्व में अपने राजनयिकों के नेटवर्क का विस्तार करके पूरी दुनिया में अपने हितों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगा। इससे वैश्विक स्तर पर उसका भू राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा और वैश्विक मामलों में ज्यादा अहम भूमिका निभाएगा। केंद्र सरकार आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ाने, लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर फोकस कर रही है।

एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे का नेटवर्क 15,000 किलोमीटर

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में पूंजीगत खर्च के मद में करीब 11 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। सर्वे में शामिल 10 में से आठ भारतीय मानते हैं कि देश में आधुनिक सड़कों की कनेक्टिविटी का विस्तार होगा और एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे का नेटवर्क 15,000 किलोमीटर तक पहुंच जाएगा। वर्तमान समय में यह नेटवर्क 6,000 किलोमीटर का है। रोजगार और इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता के सवाल पर 10 में से छह भारतीयों का कहना था कि भारत कम से कम 20 लाख युवाओं को तकनीकी कौशल से लैस कर सकेगा। इससे युवा रोजगार हासिल करने के साथ अपनी आय को बढ़ाने में सक्षम होंगे।

दो में से एक नागरिक इस बात को लेकर आशावादी नजरिया रखते हैं कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश के जरिये 50 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन होगा। गुणवत्तापूर्ण और उचित कीमतों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता नागरिकों की एक बड़ी चिंता है। 10 में से छह भारतीयों को उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में देश के हर जिलों में जन औषधि केंद्र के जरिये सस्ती दवाएं उपलब्ध होंगी।

भूमि के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण

इसके अलावा स्वास्थ्य सुविधाओं के इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार होगा, जिससे लोगों को बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। दो में एक देशवासी का मानना है कि आने वाले वर्षों में हम संपत्ति और भूमि के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण कर लेंगे और पाइप गैस के नेटवर्क का पांच गुना विस्तार होगा। इससे लोगों की जिंदगी आसान होगी।

सर्वे भारत के 386 जिलों में किया गया है और इसमें 1,80,000 नागरिकों के जवाब को शामिल किया गया है। आर्थिक वृद्धि और समृद्धि 59 प्रतिशत भारतीय मानते हैं विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत पांच सेक्टरों में ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब के तौर पर उभरेगा देश भू राजनीतिक प्रभाव 57 प्रतिशत भारतीयों को उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता हासिल करके वैश्विक मामलों में अहम भूमिका निभाएगा इंफ्रास्ट्रक्चर 77 प्रतिशत भारतीयों को लगता है कि देश में एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे का नेटवर्क 15,000 किलोमीटर तक पहुंच जाएगा कौशल और रोजगार 61 प्रतिशत भारतीयों को उम्मीद है कि अगले पांच वर्ष में कम से कम 20 लाख युवाओं को तकनीकी कौशल से लैस किया जाएगा।

रोजगार हासिल करने की क्षमता बढ़ाने के लिए स्किल प्रोग्राम तैयार

इससे उनको रोजगार हासिल करने में मदद मिलेगी। 60 प्रतिशत भारतीयों को लगता है कि भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश से 50 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन कर सकेगा। शिक्षा 56 प्रतिशत नागरिकों को लगता है कि भारत की भविष्य की इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्कूल के पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव करेगा। 50 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि भारत कॉलेज स्नातकों की रोजगार हासिल करने की क्षमता बढ़ाने के लिए स्किल प्रोग्राम तैयार कर सकेगा।

एक महीने में दूसरी बार डाउन हुई आईआरसीटीसी की साइट, क्या है इसकी वजह

आईआरसीटीसी की साइट और ऐप गुरुवार को डाउन हो गई। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की कि वे टिकट बुक नहीं कर पा रहे हैं। आईआरसीटीसी ने अभी तक इस बड़े आउटेज पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं सोशल मीडिया यूजर तत्काल बुकिंग से ठीक पहले साइट और ऐप डाउन होने पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) की साइट और ऐप गुरुवार को डाउन हो गई। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की कि वे टिकट बुक नहीं कर पा रहे हैं। ऑनलाइन आउटेज को ट्रैक करने वाले प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर ने भी साइट डाउन होने की रिपोर्ट में उछाल दिखाया है। आईआरसीटीसी ने अभी तक इस बड़े आउटेज पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। आईआरसीटीसी ऐप खोलने पर 'unable to perform action due to maintainance activity' का एरर पॉप-अप दिखाई दे रहा है। वहीं, आईआरसीटीसी साइट पर 'Sorry !!!Please Try again !!' का मैसेज आ रहा है। सोशल मीडिया पर कई यूजर इस आउटेज पर कड़ी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने रेल मंत्री और रेल मंत्री को टैग करके कहा, 'सुबह 10 बजे IRCTC की साइट क्रैश हो जाती है और जब यह खुलती है, तो सभी तत्काल टिकट बुक जाते हैं। यह स्कैम नहीं तो क्या है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'भारत चांद पर पहुंच गया, लेकिन भारतीय रेलवे टिकट बुकिंग ऐप क्रैश हुए बिना तत्काल बुकिंग को संभाल नहीं सकता। यह 2024 है, और एक स्टेबल सर्वर रखना कोई रॉकेट साइंस नहीं होना चाहिए!'

एक महीने में दूसरी बार डाउन हुई साइट :

IRCTC की साइट इससे पहले 9 दिसंबर को भी एक घंटे के लिए बंद रही थी। उसकी वजह भी ई-टिकटिंग प्लेटफॉर्म ने मेंटिनेंस बताया था। आज की समस्या से वे यात्री काफी नाराज हैं, जो तत्काल टिकट बुक करने की कोशिश कर रहे थे। यह ट्रेन के प्रारंभिक स्टेशन से छूटने से एक दिन पहले बुक किए जा सकते हैं। एसी क्लास की बुकिंग सुबह 10 बजे से शुरू होती है और नॉन-एसी क्लास बुकिंग सुबह 11 बजे से शुरू होती है। IRCTC फिलहाल सुपर ऐप पर काम रहा है। इसमें रेलवे से जुड़े सभी ऐप को मिलाकर एक ऐप बना जाएगा। इससे यात्रियों को ज्यादा सहूलियत होगी और वे टिकट बुकिंग से लेकर ट्रेन ट्रैक जैसे काम एक ही ऐप से कर सकेंगे। साइट डाउन होने को सुपर ऐप प्रोसेस से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

दो साल में तीन गुना हुआ क्विक कॉमर्स का कारोबार, ग्राहकों को पसंद आ रही ये सर्विस

2022 में क्विक कॉमर्स का कारोबार भारत में दो अरब डॉलर का था जो वर्ष 2024 में 6.1 अरब डॉलर का हो गया। वर्ष 2030 तक क्विक कॉमर्स का कारोबार 40 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यही वजह है कि क्विक कामर्स के कारोबार में अब ई-कामर्स के बड़े खिलाड़ी अमेजन और फ्लिपकार्ट भी हाथ आजमाने जा रहे हैं।

नई दिल्ली। बड़े शहरों में अब 10-30 मिनट में सिर्फ सब्जी-दूध ही नहीं, कपड़े से लेकर मेकअप और यहां तक कि आईफोन भी डिलीवर हो रहे हैं। सिर्फ आधे घंटे में डिलीवरी की वजह से इसे क्विक कॉमर्स का नाम दिया गया है। 18-35 साल के युवाओं को यह सुविधा ज्यादा ही भा रही है जिससे क्विक कॉमर्स का कारोबार पिछले दो साल में तीन गुना बढ़ गया है।

डॉटम रिसर्च के मुताबिक वर्ष 2022 में क्विक कॉमर्स का कारोबार भारत में दो अरब डॉलर का था जो वर्ष 2024 में 6.1 अरब डॉलर का हो गया। वर्ष 2030 तक क्विक कॉमर्स का कारोबार 40 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यही वजह है कि क्विक कॉमर्स के कारोबार में अब ई-कॉमर्स के बड़े खिलाड़ी अमेजन और फ्लिपकार्ट भी हाथ आजमाने जा रहे हैं।

क्विक कॉमर्स से किराना व्यापारी प्रभावित

मुख्य रूप से अपैरल और फैशन के सामान की बिक्री करने वाले प्लेटफार्म मिंत्रा ने हाल ही में अपना क्विक कॉमर्स शुरू किया है जो 10-30 मिनट के भीतर कपड़े और फैशन के सामान उपलब्ध करा देगा। हालांकि क्विक कॉमर्स के बढ़ने से छोटे किराना व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होना शुरू हो गया है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से लेकर फेडरेशन ऑफ रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया क्विक कॉमर्स के बढ़ते दायरे को लेकर आवाज उठाने लगे हैं।

विभिन्न रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022 में क्विक कॉमर्स के यूजर्स की संख्या 54 लाख थी जो इस साल बढ़कर 2.6 करोड़ हो गई है। वर्ष 2060 तक क्विक कॉमर्स के यूजर्स की संख्या छह करोड़ पार करने की उम्मीद है। क्विक कॉमर्स में जेप्टो, जोमैटो, ब्लिंकिट, स्विगी जैसी कंपनियां तेजी से आगे आ रही है।

तेजी से बढ़ रहा ब्लिंकिट

चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में ब्लिंकिट के कारोबार में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 122 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। डॉटम की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक क्विक कॉमर्स प्लेटफार्म पर खरीदारी करने वाले 69 प्रतिशत ग्राहक 10 मिनट में अपने सामान की डिलीवरी चाहते हैं। 31 प्रतिशत ग्राहकों को डिलिवरी की जल्दी नहीं होती है। मुंबई व बेंगलुरू में क्विक कॉमर्स का चलन अन्य मेट्रो शहर से अधिक है।

जानकारों का कहना है कि क्विक कॉमर्स जल्दी में रहने वाले युवाओं को किसी चीज की कमी नहीं खलने देती है। वे अधिकतम आधे घंटे में अपनी पसंद की चीज मंगवा सकते हैं। हालांकि क्विक कॉमर्स की डिलीवरी महंगी होती है, लेकिन इससे युवा वर्ग को फर्क नहीं पड़ रहा है, तभी ऑर्डर की संख्या लगातार बढ़ रही है।

इनकम टैक्स घटाकर राहत दे सकती है सरकार, क्या बजट 2025 में होगा फैसला?

परिवहन विशेष न्यूज

बजट के जरिए दो तरह के फैसले लिए जा सकते हैं। पहली यह कि सरकार आयकर की छूट सीमा को बढ़ा सकती है। वहीं दूसरे में सरकार कार या मकान की खरीद पर टैक्स कम करने राहत दे सकती है। अर्थशास्त्रियों ने भी महंगाई को देखते हुए सरकार को 15 लाख तक की सालाना आय पर कर दरों में कमी की सलाह दी है।

नई दिल्ली। सरकार केंद्रीय बजट में मिडल क्लास को बड़ी राहत दे सकती है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यह राहत इनकम टैक्स में बदलाव के रूप में हो सकती है। बजट 1 फरवरी को पेश होगा। इसके लिए जरूरी तैयारियां शुरू हो गई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी अलग-अलग क्षेत्र के प्रतिनिधियों और एक्सपर्ट से मुलाकात कर चुकी हैं।

रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बजट के जरिए दो तरह के फैसले लिए जा सकते हैं। पहली यह कि सरकार आयकर की छूट सीमा को बढ़ा सकती है। वहीं, दूसरे में सरकार कार या मकान की खरीद पर टैक्स कम करने राहत दे सकती है। पिछले बजट में सरकार ने पुरानी कर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया। लेकिन, नई व्यवस्था के तहत वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया था।

इसका मतलब है कि फिलहाल सात लाख तक सालाना आमदनी वालों को स्टैंडर्ड डिडक्शन लगने के बाद कोई टैक्स नहीं देना पड़ता है। हालांकि, महंगाई और दूसरे आर्थिक पहलुओं के मद्देनजर लोग मांग कर रहे हैं कि आयकर छूट की सीमा को बढ़ाया जाना चाहिए। इसी तरह दूसरे टैक्स में राहत देने फैसला भी लिया जा सकता है।

किसे मिलेगी राहत ?

रॉयटर्स के मुताबिक, सरकार 10- 15 लाख रुपये तक की सालाना आय वालों पर टैक्स को बोझ थोड़ा कम कर सकती है। अभी 10-15 लाख तक की सालाना आय वाले लोगों को दो कर (स्लैब) है। इसमें 10-12 लाख वाले स्लैब में आने वाले लोगों पर 15 फीसदी और 12 से 15 लाख के स्लैब में आने वाले लोगों पर 20 फीसदी कर लगता है। वहीं, 15 लाख से अधिक के स्लैब आने वाले लोगों पर 30 फीसदी आयकर लगता है।

अर्थशास्त्रियों ने भी दी सलाह

अर्थशास्त्रियों ने भी महंगाई को देखते हुए सरकार को 15 लाख तक की सालाना आय पर कर दरों में कमी की सलाह दी है। दरअसल, महंगाई के चलते बड़े शहरों में रहने वाले ज्यादातर लोग अपनी कमाई का बड़ा बड़ा हिस्सा घर और कार की ईएमआई में चुकाते हैं। फिर बच्चों की स्कूल फीस, राशन व अन्य जरूरी चीजों पर भी बड़ा पैसा खर्च होता है। इस पर भी वे जीएसटी के तौर पर टैक्स चुकाते हैं। इन सब फैक्टर पर गौर करके सरकरा इनकम टैक्स में राहत दे सकती है।

इंश्योरेंस पर घट रहा खर्च, बीमा कराने से क्यों बच रहे लोग?

परिवहन विशेष न्यूज

दुनियाभर में बीमा कराने की तादाद लगातार बढ़ रही है। लेकिन भारत में इंश्योरेंस सेक्टर की ग्रोथ सुस्त पड़ रही है। जीडीपी में इंश्योरेंस सेक्टर की भागीदारी पिछले दो साल में 4.2 फीसदी से घटकर 3.7 फीसदी पर आ गई। आइए समझते हैं कि भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ तेज होने के बावजूद लोग बीमा कराने से परहेज क्यों कर रहे हैं।

भारत में लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी की बिक्री में गिरावट आई है। इसका असर ओवरऑल सेक्टर पर देखा जा सकता है। इसकी सेगमेंट की पहुंच 3.7 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी रह गई। कोरोना महामारी के दौरान वित्त वर्ष 2021-22 में जीवन बीमा सेक्टर सबसे तेजी से बढ़ रहा था। उस वक्त लोग महामारी के चलते डरे हुए थे, इसलिए ज्यादा लोग बीमा करा रहे थे। तब इंश्योरेंस सेक्टर की जीडीपी में हिस्सेदारी 4.2 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन, उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है।

नई दिल्ली। भारत में इंश्योरेंस सेक्टर की रफ्तार सुस्त पड़ रही है। बीमा नियामक इरडा की रिपोर्ट बताती है कि जीडीपी में इंश्योरेंस सेक्टर की भागीदारी पिछले दो साल में 4.2 फीसदी से घटकर 3.7 फीसदी पर आ गई। यह आंकड़ा इसलिए भी हैरान करता है, क्योंकि दुनियाभर में बीमा का चलन बढ़ रहा है। ग्लोबल जीडीपी में बीमा सेक्टर की हिस्सेदारी 6.8 फीसदी से बढ़कर 7 फीसदी हो गई है।

जीडीपी में बीमा सेक्टर की हिस्सेदारी क्यों घटी ?

भारत में लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी की बिक्री में गिरावट आई है। इसका असर ओवरऑल सेक्टर पर देखा जा सकता है। इसकी सेगमेंट की पहुंच 3.7 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी रह गई। कोरोना महामारी के दौरान वित्त वर्ष 2021-22 में जीवन बीमा सेक्टर सबसे तेजी से बढ़ रहा था। उस वक्त लोग महामारी के चलते डरे हुए थे, इसलिए ज्यादा लोग बीमा करा रहे थे। तब इंश्योरेंस सेक्टर की जीडीपी में हिस्सेदारी 4.2 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन, उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है।

हालांकि, देश में प्रति व्यक्ति प्रीमियम में मामूली बढ़ोतरी हुई है। यह 2023-24 में 95 डॉलर रही, जो वित वर्ष 2023 के दौरान 92 डॉलर थी। ग्लोबल एवरेज 889 डॉलर का है। इसका मतलब कि हम अभी काफी पीछे चल रहे हैं।

इरडा की रिपोर्ट की कुछ खास बातें

हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में क्लेम रेशियो में गिरावट आई है।

यह 2022-23 के 88.89% से घटकर 2023-24 में 88.15% हो गया।

इंश्योरेंस कंपनियों ने कुल 2.69 करोड़ हेल्थ इंश्योरेंस दावे निपटाए।

उन्होंने दावे निपटाने पर कुल 83.493 करोड़ रुपये खर्च किए।

बीमा सेक्टर औसतन प्रति दावा भुगतान 31,086 रुपए था।

इंश्योरेंस पर खर्च क्यों कम रहे लोग?

एक्सपर्ट का मानना है कि इंश्योरेंस पर अधिक जीएसटी होना एक बड़ी वजह है कि लोग बड़ी संख्या में बीमा नहीं करा रहे हैं। सरकार अलग-अलग इंश्योरेंस पॉलिसी पर 18 फीसदी तक जीएसटी लगाती है। पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुआई में जीएसटी काउंसिल की मीटिंग हुई थी। इसमें बीमा पॉलिसी पर जीएसटी घटाने की चर्चा हुई, लेकिन उसे आखिरी रूप नहीं दिया जा सका।

पहले इंश्योरेंस को निवेश का अच्छा जरिया भी समझा जाता था। लेकिन, अब लोग शेयर मार्केट और म्यूचुअल फंड में भी काफी निवेश कर रहे हैं, जहां ज्यादा रिटर्न मिलने की गुंजाइश रहती है। वहीं, पिछले कुछ साल में बीमा का प्रीमियम भी 25-30 फीसदी तक बढ़ गया है। इससे मिडल क्लास को यह महंगा लगने लगा है। इसलिए बहुत-से लोग बीमा कराने से बच रहे हैं।

जयपुर, इंदौर जैसे शहरों में तगड़ी रहेगी हाउसिंग डिमांड; बड़े शहरों में सुस्त पड़ रही बिक्री

परिवहन विशेष न्यूज

हाउसिंग सेक्टर में अब नए ट्रेंड्स दिख रहा है। टियर 2 और 3 कैटेगरी के शहरों में ज्यादा प्रोजेक्ट लॉन्च हो रहे हैं। 2025 तक नए हाउसिंग डेवलपमेंट में जयपुर इंदौर और कोच्चि जैसे शहरों का हिस्सा 40 फीसदी से अधिक होगा। एक तरफ छोटे शहरों में घर की बिक्री बढ़ रही है तो दूसरी ओर बड़े शहरों में डिमांड घटने का अनुमान है।

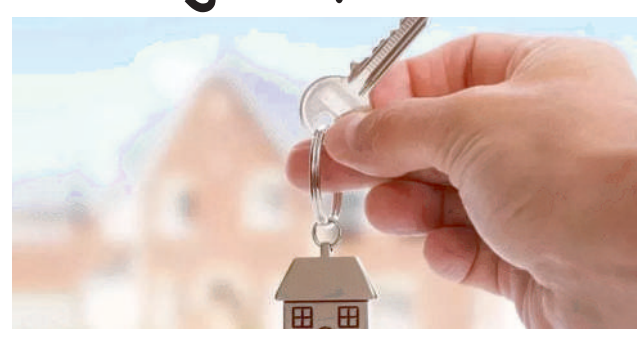

नई दिल्ली। भारत में पिछले कुछ समय से आवासीय बाजार तेजी से बढ़ रहा है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट जेएलएल की लेटेस्ट रिपोर्ट बताती है कि 2024 में मकानों की बिक्री 2023 के मुकाबले 17 फीसदी ज्यादा रही। वहीं, अगले साल 2025 तक देश की जीडीपी में हाउसिंग सेक्टर का योगदान 13 फीसदी होगा।

छोटे शहरों में लॉन्च हो रहे ज्यादा प्रोजेक्ट

सबसे अहम बात यह है कि हाउसिंग सेक्टर में अब नए ट्रेंड्स दिख रहा है। टियर 2 और 3 कैटेगरी के शहरों में ज्यादा प्रोजेक्ट लॉन्च हो रहे हैं। 2025 तक नए हाउसिंग डेवलपमेंट में जयपुर, इंदौर और कोच्चि जैसे शहरों का हिस्सा 40 फीसदी से अधिक होगा। नए प्रोजेक्ट में ग्रीन-सर्टिफिकेट इमारतों की हिस्सेदारी 30 फीसदी रहने का अनुमान है। यह 2020 की तुलना में दोगुना है।

जेएलएल की रिपोर्ट का कहना है कि 2030 तक देश में 60 फीसदी नए मकान खरीदने वाले मिलेनियल और Zen-G होंगे। इसका मतलब कि 1990 के दशक से लेकर 2000 के दशक में पैदा हुए लोगों की मकान खरीदने में ज्यादा हिस्सेदारी होगी।

कितने लोगों के पास होगा अपना घर ?

जेएलएल की रिपोर्ट के मुताबिक, शहरीकरण और टेक्नोलॉजी इनोवेशन तेजी से हो रहा है। इससे उपभोक्ताओं की प्राथमिकता भी बदल रही है। इसका असर 2025 में हाउसिंग मार्केट पर भी दिखेगा। अगले साल शहरों में 72 फीसदी लोगों के पास खुद का मकान होगा। यह 2020 की तुलना में करीब 11 फीसदी का इजाफा है, जब 65 फीसदी शहरी लोग मकान मालिक थे।

बड़े शहरों में घट रही बिक्री

एक तरफ छोटे शहरों में घर की बिक्री बढ़ रही है, तो दूसरी ओर बड़े शहरों में डिमांड घटने का अनुमान है। हाउसिंग ब्रोकरेज फर्म एनारॉक का कहना है कि इस साल सात प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री 4 फीसदी तक घट सकती है। यह कम नए प्रोजेक्ट की लॉन्च होने के कारण लगभग 4.6 लाख यूनिट रह जाएगी।

मूल्य के लिहाज से बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 5.68 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। जमीन, मजदूरी और कुछ कच्चे माल की बढ़ती दरों के कारण इस साल सात प्रमुख शहरों में औसत आवास की कीमतों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

क्या है बिक्री घटने का कारण

भारत की प्रमुख हाउसिंग ब्रोकरेज फर्मों में से एक एनारॉक ने 2024 के दौरान बिक्री की मात्रा में गिरावट का कारण आम और विधानसभा चुनावों के बीच नियामक अनुमोदन में देरी के कारण आवास परियोजनाओं के नए लॉन्च में गिरावट को बताया। फिर भी, आवास की कीमतों में बढ़ोतरी ने इस वर्ष के दौरान मूल्य के लिहाज से बिक्री को बढ़ाने में मदद की।

रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनारॉक ने गुरुवार को अपने आवास बाजार के आंकड़े जारी किए, जिसमें 2023 में 4,76,530 इकाइयों की तुलना में 2024 के दौरान सात प्रमुख शहरों में बिक्री में मामूली 4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,59,650 इकाई रह गई।

हर तरफ खौफ का मंजर, सांपों से भरे जंगल में फंसी गर्भवती महिला; 20 साल पहले आई सुनामी की खौफनाक कहानी

Tsunami 2004 साल 2004 में हिंद महासागर में ऐसी सुनामी आई थी जिसने प्रलय जैसे हालात पैदा कर दिए थे। लाखों लोगों की इस सुनामी में जान गई थी। अकेले तमिलनाडु में 7993 लोगों की मौत हुई थी। इन सबके बीच सांपों से घिरे जंगल में फंसी थी एक गर्भवती महिला। सुनिए उस खौफनाक मंजर की कहानी उसी महिला की जुबानी।

पोर्ट ब्लेयर। वर्तमान में पूरी दुनिया में 1400 से अधिक सुनामी के 'वार्निंग स्टेशन' अलर्ट जारी करके हजारों-लाखों लोगों की जान बचा लेते हैं। भारत समेत दुनिया भर में घंटों पहले सुनामी की पूर्व चेतावनी मिल जाती है, लेकिन बीस साल पहले 2004 में ऐसा नहीं था, जब हिंद महासागर में सुनामी ने प्रलय जैसी विभीषिका खड़ी कर दी थी।

इंडोनेशिया में आए भूकंप के कारण यह सुनामी आई थी, जिसमें लाखों लोग मारे गए थे। भारत में सर्वाधिक प्रभावित तमिलनाडु में 7993 लोगों की जानें गईं थीं। इस भीषणतम प्राकृतिक आपदा में सुरक्षित बच निकलने वाली अंडमान निकोबार की गर्भवती महिला नमिता राय थीं। अंडमान निकोबार के सांपों से भरे जंगल में उन्होंने अपने बेटे 'सुनामी' को जन्म दिया और उन्होंने अपने परिवार समेत शरण ली।

नमिता ने सुनाई आपबीती

दो बेटों की मां नमिता राय ने बीस साल पहले के उस लोमहर्षक दिन को याद करते हुए पीटीआई से कहा कि वह 26 दिसंबर, 2004 को आई सुनामी के समय सिर्फ 26 साल की थीं। उस दिन वह रोजमर्रा के कामों में लगी थीं, अचानक कुछ देर के लिए मरघट जैसा सन्नाटा हुआ और कुछ ही क्षणों में आसमान में पक्षियों के बेहिसाब झुंड पूरी ताकत से शोर करते तीर की तरह एक ही दिशा में उड़ते नजर आए।

उन्होंने कहा, 'आसमान से नजर हटी भी नहीं थी, महासागर से आकाश छूती लहरें हमारे 'हट बे' द्वीप की ओर बढ़ती दिखीं। लोग हर तरफ चीख-पुकार मचाते पहाड़ी की तरफ भाग रहे थे। तभी धरती हिलने लगी और मैं डर कर बेहोश हो गई। घंटों बाद मुझे होश आया तो खुद को स्थानीय लोगों के बीच एक पहाड़ी जंगल में पाया। इस विशाल जंगल में मुझे अपने पति और बेटे को देखकर राहत मिली। चारों तरफ से उठी सुनामी की भयानक लहरों ने हमारे द्वीप को डुबो दिया था। वहां की सारी संपत्ति नष्ट हो चुकी थी।'

जंगल में दिया बच्चे को जन्म

डबडबाई आंखों से नमिता ने बताया कि रात पौने बारह बजे के बाद उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो वहां मौजूद कुछ महिलाओं ने उनकी मदद की और सांपों से भरे उस जंगल की बेहद दुर्गम परिस्थितियों में उन्होंने समय पूर्व ही 'सुनामी' को जन्म दिया। अपने नवजात को जीवित रखने के लिए अपना दूध पिलाया और बाकी लोगों की जानें नारियल पानी पीकर बचीं।

बिना भोजन-पानी के चार दिनों तक वह लोग 'हट बे' के लाल टिकरी हिल्स स्थित जंगल में रहे और उसके बाद रक्षाकर्मी उनके बचाव के लिए आए। 'हट बे' द्वीप पोर्ट ब्लेयर से 117 किमी दूर है और जहाज से जाने में आठ घंटे लगते हैं। नमिता अब अपने दो बेटों सौरभ व सुनामी के साथ बंगाल के हुगली जिले में रहती हैं, जबकि उनके पति लक्ष्मीनारायण का कोविड के प्रकोप के दौरान देहांत हो गया। वहीं, 20 साल के हो चुके सुनामी रॉय का कहना है कि वह ओशियानोग्राफर बनकर महासागरों पर शोध करना चाहते हैं।

सागर की लहरों में अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

बीस साल पहले सुनामी में मारे गए लाखों लोगों की याद में तमिलनाडु के तटों पर लोगों ने सागर की लहरों में दूध और फूल अर्पित कर मृतकों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी। चेन्नई में सामूहिक कब्रों पर भी श्रद्धांजलि देने लोग पहुंचे। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि समेत बहुत से मछुआरों और उनके स्वजनों ने सुनामी में मारे जाने वाले लोगों की याद में मरीना बीच पर शांति सभा की। राजभवन के अनुसार में त्रासदी में नागपत्तिनम व कन्याकुमारी समेत तमिलनाडु के छह तटीय जिले सर्वाधिक प्रभावित हुए थे।

"तुलसी जी के पौधे की उपेक्षा और पाश्चात्य संस्कृति की ओर बच्चों का आकर्षण एक गहरी चिंता का विषय"

परिवहन विशेष न्यूज

"हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संभालने की आवश्यकता है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी अपने धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ी रहे"

आगरा, संजय साग़र सिंह। पूजनीय और पवित्र तुलसी के पौधे की विधिवत उपासना कर तुलसी पूजन दिवस की सभी देशबासियों हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए डॉ उमेश शर्मा ने कहा, रहे माँ तुलसी दे सबको वरदान, खोलें सभी समाधानों के स्थान, कभी ना हो किसी को कोई परेशानी, मां तुलसी से यही प्रार्थना है हमारी।"

डॉ. उमेश शर्मा ने तुलसी जी के पौधे के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तुलसी न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके वैज्ञानिक लाभ भी अत्यधिक हैं। उनके अनुसार, तुलसी जी के पौधे की उपासना करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। तुलसी जी का पौधा घर को पवित्र बनाता है और वहां रोग व क्लेश नहीं आते। उन्होंने यह भी बताया कि तुलसी जी के पौधे का सेवन संक्रामक रोगों से बचाता है और इससे स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं ठीक होती हैं।

शर्मा जी ने यह भी कहा कि तुलसी जी की पूजा से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है, क्योंकि तुलसी जी को विष्णु जी प्रिय हैं। वे यह मानते हैं कि तुलसी के पौधे की उपेक्षा और पश्चिमी संस्कृति की ओर बच्चों का आकर्षण एक गहरी चिंता का विषय है, जो हमारी संस्कृति से दूर जाने का संकेत है।

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि क्या हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कटते जा रहे हैं और क्या इस बदलाव का प्रभाव आने वाली पीढ़ी पर पड़ेगा। डॉ. शर्मा ने इस दिशा में एक चेतावनी दी कि हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संभालने की आवश्यकता है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी अपने धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ी रहे।

तुलसी माता हर घर में होनी चाहिए तभी हम आगे बढ़ेंगे

जगदीश सीरवी

हैदराबाद। लोअर टैंकबंद स्थित भाग्यनगर गौशाला में श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट, देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान, योग वेदांत समिति और सर्वदलीय गौरक्षा मंच के तत्वावधान में तुलसी पूजन का भव्य आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में काशी से पधारे स्वामी करपात्री जी धाम के संत स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी और विशिष्ठ अतिथि के रूप में दिल्ली से पधारे युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह, महिला अतिथि के रूप में पधारी माता ललिता की साधिका श्रीदेवी जी एव अन्य गणमान्य लोगों ने तुलसी माता की आरती कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता के संवर्द्धन हेतु सबको आगे आना होगा। तुलसी माता हर घर में होनी चाहिए तभी हम आगे बढ़ेंगे। तेलंगाना को गौ वध से मुक्ति हेतु राज्य सरकार को कानून बनाना चाहिए।

युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा हम देश के नवनिर्माण के महायज्ञ को सफल बनाने हेतु काम कर रहे हैं। लार्ड मेकाले ने हमारी शिक्षा नीति को ध्वस्त करने का प्रयास किया परंतु कर नहीं सके। हम नई शिक्षा नीति की सराहना करते हैं जिसके कारण नई पीढ़ी अपने विरासत को जान सकेगी। उन्होंने कहा कि राजनेताओं को सनातन के ख़िलाफ बोलने के पहले विचार करना चाहिए। भारत माता के वैभव को बढ़ाने हेतु युवा वर्ग को खूब काम करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि 2047 से पहले भारत को विश्वगुरु बनाना ही जीवन का लक्ष्य है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी ने कहा की हम गौ माता और भारत माता के प्रगति हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर आचार्य प्रमोद कृष्ण शास्त्री भाग्यनगर गौशाला मैनेजर पंडित दुबे जी और साथियों ने विधि- विधान से गौ पूजा और तुलसी पूजन का कार्यक्रम शास्त्रोक्त विधि से करवाया।

पधारे अन्य लोगों में उत्तराखंड संस्थान के मंत्री बलवीर सिंह रावत, सुभाष चंद्र पेटवाल, राजेंद्र सिंह रावत, योगेश अग्रवाल, पवन कुमार, प्रमोद गोयनका, चेना राम सीरवी, धनजी भाई पटेल, शांति लाल सुथार आदि अनेकों गौ भक्तों के अलावा देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान की मातृ शक्ति के साथ तेलगु भाषी कोटि कुमकुमर्चन की माताओं ने तुलसी पूजन में भाग लिया। इस अवसर पर माताओं ने 501 तुलसी महिमा पुस्तक तथा 701 तुलसी वृक्ष वितरण में भाग लिया। अंत में कार्यक्रम में पधारे सभी भक्तों का नयाल सनातनी जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

राज्य सरकार जमा राशि वापस करेगी: मुख्यमंत्री मोहन माझी

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: भुवनेश्वर सहकारी बैंक के जमाकर्ताओं के लिए अच्छी खबर है। 2015 से बंद पड़े भुवनेश्वर शहरी सहकारी बैंक के सभी जमाकर्ताओं को उनकी जमा राशि वापस कर दी जाएगी। राज्य सरकार जमा राशि वापस करेगी। इससे सहकारी बैंकों में लोगों का विश्वास बहाल करने में मदद मिलेगी। नई सरकार सहकारी क्षेत्र को सक्रिय और गतिशील बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्योंकि इससे सहकारी समितियों में लोगों का विश्वास बहाल होगा और वे ग्रामीण आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन बनेंगे। यह बात मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कही। बुधवार को लोक सेवा भवन में 1,542 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि राज्य में कुल 2,711 पैक्स हैं, लेकिन राज्य सरकार ने 1,542 नई बहुउद्देशीय पैक्स का गठन किया है। इससे राज्य में पीएसी की कुल संख्या 4,253 हो गयी है। हमारी सरकार सहकारिता आंदोलन को जनोन्मुखी बनाने के लिए केन्द्र सरकार के सहकारिता विभाग के अनुरूप विभिन्न नवीन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दे रही है। इसमें कुल 54 कार्यक्रम शामिल किये गये हैं।

कानपुर में सीपीआर से सब इंस्पेक्टर नितिन ने बचाई हार्ट अटैक के शिकार युवक की जान, हुई सराहना

सुनील बाजपेई

कानपुर। अगर ईश्वर, अल्लाह और गॉड को अगर किसी की जान बचानी होती है तो वह इंसान के रूप में ही बचाता है। यह कथन सत्य साबित हुआ बर्रा थाने की यादव मार्केट चौकी क्षेत्र में, जहां एक दरोगा ने हार्ट अटैक से युवक की जान बचाने के मामले में उसका भगवान बन गया। इस सब इंस्पेक्टर ने राह चलते हार्ट अटैक का शिकार हुए इस युवक की जान सीपीआर देकर बचाई। अगर सीपीआर देने में कुछ मिनट का ही विलंब हो जाता तो इस युवक की जान का बच पाना मुश्किल हो जाता लेकिन इसके पहले कि ऐसा कुछ हो पाता यादव मार्केट चौकी प्रभारी नितिन कुमार और उनकी टीम ने तत्काल सीपीआर देकर युवक को असमम मौत का शिकार होने से साफ बचा लिया। जान बचाने के मामले में भगवान जैसा का रोल अदा करने वाली पुलिस के इस कार्य की सराहना भी होती नजर आई।

प्राप्त विवरण के मुताबिक घटना के समय एक युवक कहीं जा रहा था कि अचानक हार्ट अटैक की वजह से सड़क पर गिरकर बेहोश हो गया जैसे ही इसकी जानकारी कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और कठोर परिश्रमी यादव मार्केट के चौकी प्रभारी नितिन कुमार को मिली वह तत्काल ही अपनी टीम के साथ मनोहर नगर बर्रा 2 पहुंच गए लेकिन तब तक कानपुर में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों के क्रम में शिकार हुआ युवक सड़क पर गिरकर बेहोश हो चुका था। यह देख एक भी पल का विलंब किए बगैर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले चौकी प्रभारी नितिन कुमार उसे सीपीआर देना शुरू किया। अंततः किसी की प्राण रक्षा जैसे संसार के सर्वोत्तम परोपकार वाला जुझारू तेवरों वाले यादव मार्केट के चौकी प्रभारी नितिन कुमार यह सर्वोत्तम सराहनीय प्रयास युवक की जान बचाने के रूप में सफल भी हो गया।

कुल मिलाकर डॉक्टर को तो भगवान का रूप माना ही जाता है लेकिन सीपीआर देकर युवक की जान बचाने के रूप में पुलिस का भी रोल भगवान जैसा ही साबित हुआ। उसके इस सराहनीय कार्य का वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ। पुलिस का यह सराहनीय कार्य सर्वत्र चर्चा का विषय भी बना हुआ है।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने अपनी 24 सूत्रीय मांगों को लेकर केबिनेट मंत्री, सांसद एवं विधायकों को ज्ञापन सौंपा

प्रान्तीय संगठन मंत्री डॉ रवीन्द्र सिंह राना ने वेतन, नियुक्ति, स्थानांतरण और अन्य अनियमितताओं के शीघ्र समाधान की जताई उम्मीद

आगरा, संजय साग़र सिंह। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देशानुसार आज अपनी 24 सूत्रीय मांगों को लेकर केबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्या, विधायक खेरागढ भगवान सिंह कुशवाहा, विधायिका बाह रानी पक्षालिका सिंह एवं सांसद राजकुमार चाहर प्रतिनिधि फतेहपुर सीकरी को जिला मंत्री एवं प्रान्तीय संगठन मंत्री डॉ रवीन्द्र सिंह राना, जिलाध्यक्ष डॉ मुकेश शर्मा, जिला मंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अजय शर्मा, मंडल अध्यक्ष राजीव उपाध्याय, डॉ राम नरेश परमार, जिला संयोजक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ सुभाष बघेल, प्रदेश उपाध्यक्ष रामनरेश परमार, मुनेंद्र चाहर, अनिल कुशवाहा एवं प्रवीण मिश्रा कोषाध्यक्ष द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। इस ज्ञापन में वेतनमान, पद योग्यताएं, कार्यदायित्व सहित अन्य मुद्दों का समाधान करने की मांग की गई है।

फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं प्रान्तीय संगठन मंत्री डॉ रवीन्द्र सिंह राना ने पत्रकार वार्ता में वेतन, नियुक्ति, स्थानांतरण और अन्य अनियमितताओं के शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई। इस ज्ञापन में शासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की गई।

वेदों को किसने लिखा ?

बहुत बार पुछा जाता है कि जब हर ग्रंथ का कोई लेखक होता है तो अपने वेदों का लेखक कौन है,,, ??

उपरोक्त प्रश्न के ज़बाब में सुधी पाठकों के ध्याननार्थ बताना चाहता हूँ कि सृष्टि की उत्पत्ति के समय ही सर्वशक्तिमान ईश्वर ने

1] "अग्नि" ऋषि को ऋग्वेद का तो

2] "वायु" को यजुर्वेद का एवं

3] "आदित्य" को सामवेद का और

4] "अंगिरा" को अथर्ववेद का ज्ञान दिया था।

वेदों को श्रुति भी कहते है, क्योंकि ऋषियों ने इन्हे सुना और सुनाया,,, कालांतर मे इन्हीं श्रुतियों ने ग्रंथो का रुप लिया।

गोवर्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू'
बीकानेर / मुम्बई

अखिल भारतीय सीरवी वॉलीबॉल प्रतियोगिता महाकुम्भ का आयोजन संपन्न

जगदीश सीरवी, हैदराबाद: अखिल भारतीय सीरवी वॉलीबॉल प्रतियोगिता महाकुम्भ का आयोजन बेंगलूरू में हुआ था जिसमें सीरवी समाज की कुल 64 टीमों ने भाग लिया। फाईनल मुकाबले में जेडिमेटला टीम A विजेता रही। गुरूवार को सीरवी समाज जेडिमेटला वडेर में समाज की ओर से विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। सभी विजेता खिलाड़ियों को साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर मेडचल टीम चैम्पियन किक्रेट खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। कवीता ने राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने पर कवीता का सम्मान किया गया। खिलाड़ियों का जिडिमेटला बडेर में किया सम्मान। समस्त सीरवी समाज जिडिमेटला बडेर के गणमान्य पदाधिकारी चैनाराम चोयल, मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, प्रेम पंवार, भीमाराम काग, जीवाराम हाम्बड़, मोहनलाल मुलेवा, राजुराम बर्फा, सुशीला भायल, मोहन हाम्बड़, उम्मेद चोयल, मुलाराम पंवार, देवाराम मुलेवा, लुंबाराम, मांगीलाल सोलंकी संस्था के चेनाराम चोयल मांगीलाल काग ने सभी विजेता खिलाड़ियों को जीत की शुभकामनाएं दी।

हमने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बीजद स्थापना दिवस पर सरकार पर निशाना साधा। नवीन ने एक वीडियो संदेश में कहा, जिस तरह कुछ संशयवादियों ने पार्टी के गठन के समय कहा था कि इस पार्टी का कोई भविष्य नहीं है, वे अब भी कह रहे हैं कि यह पार्टी अस्तित्व में नहीं रहेगी। मैं दृढ़ता से कहता हूं कि बीजद का भविष्य उज्ज्वल है।हमने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे।बीजेडी पार्टी की स्थापना 26 दिसंबर 1997 को हुई थी। बीजू बाबू के आदर्शों को साथ लेकर बीजू प्रेमियों ने एकजुट होकर बीजू जनता दल का गठन किया। लेकिन उस समय कई लोगों ने कहा था कि यह पार्टी टिक नहीं पाएगी। यह पार्टी कभी सफल नहीं होगी। और मैंने कहा कि मैं राजनीति नहीं जानता। लेकिन ओडिशा की जनता के आशीर्वाद से उन्हें पांच बार सत्ता में आने और सेवा करने का अवसर मिला है। पिछले 24 वर्षों में बीजद सरकार ने ओडिशा को एक समृद्ध और मजबूत राज्य बनाया है। ओडिशा, जो पहले अन्य राज्यों पर निर्भर था, अब अन्य राज्यों को खाद्यान्न निर्यात कर रहा है। ओडिशा में गरीबी कम हुई है। ओडिशा प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक आदर्श राज्य के रूप में उभरा है। बस्ती का विस्तार हो रहा है। ओडिशा महिला सशक्तिकरण में अग्रणी राज्य बन गया है। ओडिशा को खेल राजधानी होने की प्रतिष्ठा प्राप्त है। ओडिशा की जनता के प्यार और कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की बदौलत बीजद आज एक मजबूत क्षेत्रीय पार्टी के रूप में उभरी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**